



Since 1995

Raja Travels & Car Bazar

Taxi Service, Air & Rail Tickets
Sale & Purchase Of Used Cars

WE VALUE YOUR CAR.

CarTrade

carwale

Phone Number

Contact :
9811172512, 9891041444

LOHIA NAGAR / NEW ARYA NAGAR (GHAZIABAD)

राष्ट्रवादी विचारधारा को समर्पित दैनिक समाचार पत्र

आपका विश्वास हमारी पहचान

वर्ष : 3 ॥ अंक : 251 ॥ नई दिल्ली, शनिवार, 8 अगस्त 2026 RNI.NO.DELHIN/2023/90791



manasvivani@gmail.com



8285002838

प्रियंका गांधी ने मोहन भागवत की टिप्पणी पर कहा, जैन-जी को किसी प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर-एसएस) के सरसंचालक मोहन भागवत की एक टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को कहा कि जैन-जी को उनसे किसी प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। प्रियंका गांधी ने संसद फ्लोर में भागवत की टिप्पणी से जुड़े सवाल पर संवाददाताओं से कहा, जैन-जी को मोहन भागवत जी से किसी प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा था कि लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन संवाद का एक वैध तरीका है, लेकिन इसका मकसद विभाजन पैदा करने के बजाय आम सहमति बनाना होना चाहिए। भागवत ने मुंबई में इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइटेड नेशंस (आईआईएमयूएन) के 15वें वर्षगांठ कार्यक्रम में जैन-जी और जैन अल्फा के लगभग 2,000 सदस्यों को संबोधित करते

मोहन भागवत के जैन जी बयान पर विपक्षी दलों ने बीजेपी के दोहरे रवैये पर उठाए सवाल

मुंबई एजेंसी: सात अगस्त राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से शुक्रवार को सवाल किया कि जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत का कहना है कि जैन-जी को राष्ट्र विरोधी नहीं करार देना चाहिए तो भाजपा नेताओं ने युवा प्रदर्शनकारियों पर हमला क्यों किया? राकांपा (शप) और कांग्रेस ने भाजपा और इसके वैचारिक संगठन, आरएसएस पर दोहरे मानदंड की राजनीति करने का आरोप लगाया। भागवत ने मुंबई में इंडियाज इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइटेड नेशंस (आईआईएमयूएन) के 15वें वर्षगांठ कार्यक्रम में बृहस्पतिवार को जैन-जी और जैन अल्फा के लगभग 2,000 सदस्यों को संबोधित करते



हुए कहा, अगर जैन-जी के लोग विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं, तो वे राष्ट्र विरोधी नहीं हैं। इतिहास वे हमारे ही लोग हैं। वे हमारी अगली पीढ़ी हैं। आपको उनसे बातचीत करने और बेहतर तालमेल बनाने की जरूरत है। जैन-जी 1997 से 2012 के बीच जन्मी पीढ़ी है जबकि जैन-

अल्फा कहे जाने वाले बच्चों का जन्म 2013 से 2025 के बीच हुआ है। राकांपा (शप) के प्रवक्ता महेश तापसे ने एक बयान में कहा कि देश संघ परिवार के दो बिल्कुल अलग-अलग चेहरे देख रहा है। उन्होंने उल्लेख किया कि जहां एक ओर भागवत ने यह कहा कि जैन-

जी को राष्ट्र विरोधी नहीं कहना चाहिए, वहीं दूसरी तरफ भाजपा के कई बड़े नेताओं -- जिन्होंने सांसद निष्कांत दुबे और कंगना रनौत शामिल हैं -- ने नीट विवाद को लेकर हुए देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारी युवाओं पर सार्वजनिक रूप से गंभीर आरोप लगाए थे।

कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा है.....

संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा जैन-जी को राष्ट्र विरोधी न बनाने के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा है। विपक्षी नेताओं ने सवाल किया कि यदि आरएसएस प्रमुख युवाओं से संवाद की वकालत कर रहे हैं

उन्होंने सवाल किया, इस विरोधाभास को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत के युवाओं को यह जानने का हक है कि कौन सा चेहरा आरएसएस की असली विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है? तापसे ने कहा, यह सोच-समझकर बनाई गई राजनीतिक रणनीति लगती है -- एक तरफ सरकार की छवि को उदार बनाने की कोशिश की जाती है, तो दूसरी ओर असहमति की आवाज को डराने-धमकाने, धुवीकरण करने और उसे (असहमति की आवाज को) अवैध ठहराना जारी रहता है।

भारत के युवा इस दोहरे मानदंड वाले रवैये से गुमराह नहीं हो सकते। राकांपा(शप) नेता ने कहा कि अगर भागवत का सचमुच में मानना है कि जैन-जी संवाद, सम्मान और भरोसे के हकदार हैं, तो नैतिक रूप से सही यही होगा कि वह भाजपा के उन नेताओं की सार्वजनिक रूप से आलोचना करें, जिन्होंने बार-बार उन युवा भारतीयों की नीयत और देशभक्ति पर सवाल उठाए हैं। तापसे ने कहा, आरएसएस और भाजपा दो अलग-अलग बातें नहीं कह सकते और साथ ही यह उम्मीद भी नहीं कर

सकते कि देश उन पर भरोसा करेगा। राजनीतिक विमर्श के जरिए भारत के युवाओं को दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि युवा भारतीय अच्छी शिक्षा, पारदर्शी परीक्षा, रोजगार के अवसर और शासन में जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। राकांपा (शप) के राष्ट्रीय प्रवक्ता क्लाउड क्रॉस्टो ने कहा कि भाजपा और उसके समर्थक अब जैन-जी की लोकप्रियता का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हड़ताल इन शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज हुआ

झारखंड जेपीएससी-जेएसएससी विवाद पर सीएम सोरेन बोले- सिस्टम की खामियां दूर करेंगे, बड़े सुधार होंगे

झारखंड एजेंसी: झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को रांची में प्रदर्शन कर रहे जेपीएससी और जेएसएससी उम्मीदवारों से मिले। उन्होंने बातचीत के लिए सरकार की तत्परता और छात्रों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए जरूरी सुधार लागू करने की प्रतिबद्धता जताई। राज्य में भर्ती परीक्षाओं को लेकर जयपाल सिंह स्टेडियम में चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के बीच मुख्यमंत्री ने ये बातें कहीं। सीएम सोरेन ने कहा कि हमने बातचीत का एक तरीका पहले ही तय कर लिया है। हम बातचीत के लिए तैयार हैं। सरकार हर छात्र की समस्याओं को समझने के लिए उत्सुक है। अब हम छात्रों की बातों को जयपाल सिंह स्टेडियम की सीमाओं से बाहर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। सोरेन ने सिस्टम



से जुड़ी समस्याओं को हल करने के सरकार के मकसद पर जोर देते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य ऐसे बड़े और मजबूत सुधारों के साथ आगे बढ़ना है जो छात्रों की उम्मीदों को उनकी जरूरतों के हिसाब से पूरा करें। विरोध प्रदर्शन के दौरान, जेएलकेएम विधायक जयराम महतो ने जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा से जुड़े एक मामले और जेएसएससी सीजीएल नतीजों से उसके संबंध का हवाला देते हुए

चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए। महतो ने आरोप लगाया कि यह मांग जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा के संबंध में है। इस मामले में आरोपी व्यक्ति ने दूसरी रैंक के साथ जेएसएससी सीजीएल परीक्षा पास की थी और उसके परिवार के कई सदस्यों ने भी यह परीक्षा पास की थी। उन्होंने उम्मीदवार के परीक्षा इतिहास की गहन जांच की मांग करते हुए कहा कि इसलिए, जिन

परीक्षाओं में वह शामिल हुआ था, साथ ही संबंधित कंपनी द्वारा आयोजित परीक्षाओं की भी जांच होनी चाहिए। इस बीच, ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष नेहा बोरा शुक्रवार को रांची में प्रदर्शनकारियों के साथ शामिल हुईं। वे राज्य में जेपीएससी, जेएसएससी सीजीएल और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ विरोध कर रही थीं। झारखंड पब्लिक सर्विस कमिशन और झारखंड स्टाफ सिलेक्शन कमिशन की परीक्षाओं से जुड़ी मांगों को लेकर हो रहे विरोध-प्रदर्शनों ने बड़े पैमाने पर राजनीतिक ध्यान खींचा है। इससे राज्य सरकार पर दबाव बढ़ गया है कि हालात बिगड़ने से पहले वह उम्मीदवारों की चिंताओं का समाधान करें।

सीएम विजय की पत्नी संगीता ने वापस ली तलाक अर्जी, अदालत ने केस बंद किया

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय की पत्नी संगीता ने शुक्रवार को तमिलनाडु की चेन्नलपट्टु जिला अदालत में अभिनेता से राजनता बने विजय के खिलाफ दायर तलाक की अर्जी वापस ले ली। अर्जी वापस लेने के बाद, चेंगलपट्टु अदालत ने तलाक का मामला बंद कर दिया। यह घटनाक्रम तब हुआ जब शुक्रवार को मामले की सुनवाई हुई। लंदन में मौजूद संगीता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुईं, जबकि विजय व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हो सके क्योंकि वे तमिलनाडु विधानसभा के चल रहे सत्र में हिस्सा ले रहे थे। सुनवाई के दौरान, विजय के वकील ने अदालत को बताया कि विधानसभा सत्र के कारण मुख्यमंत्री व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हो सकते।



संगीता लंदन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यवाही में शामिल हुईं। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, तलाक की अर्जी वापस लिए जाने पर अदालत ने मामले को बंद कर दिया। इससे पहले भी कई बार इस मामले की सुनवाई टाल दी गई थी, क्योंकि दोनों पक्ष कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हुए थे। सार्वजनिक

हस्तियां होने के नाते, विजय और संगीता ने सुरक्षा कारणों और अन्य प्रक्रियात्मक दिक्कतों का हवाला देते हुए वचुंअल तरीके से कार्यवाही में शामिल होने की अनुमति मांगी थी। यह मामला पहले जून में फैमिली कोर्ट के सामने आया था, जब जज ने वकालतनामा दाखिल करने में हुई देरी को लेकर संगीता के वकील से

सवाल किया था। कोर्ट ने यह भी कहा था कि आगे की कार्यवाही से पहले इस जोड़े को मीडिएशन सेंटर भेजा जाना चाहिए। इसके बाद मामले की अगली सुनवाई 7 अगस्त के लिए तय की गई थी। हालांकि, शुक्रवार को कार्यवाही ने एक नया मोड़ ले लिया, जब संगीता ने तलाक की अर्जी वापस लेने का फैसला किया। संगीता ने फरवरी में विजय के साथ मतभेदों का हवाला देते हुए तलाक की अर्जी दाखिल की थी। उन्होंने गुजारा-भत्ता और नीलांकरई स्थित घर में रहने का अधिकार भी मांगा था। याचिका के अनुसार, संगीता ने आरोप लगाया कि विजय का एक महिला अभिनेत्री के साथ विवाहतर संबंध था, जिसके बारे में उन्हें 2021 में पता चला था।

संसद में सत्ता-विपक्ष की टकरार! खरगो के दावे पर किरण रिजिजू का तीखा वार

नई दिल्ली एजेंसी: विपक्ष द्वारा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से 20 जुलाई को प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई पर बयान की मांग के मद्देनजर नारेबाजी के बीच संसद के दोनों सदनों को 10 अगस्त को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। सदन में हंगामे के बीच राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सत्ताधारी और विपक्षी दोनों पक्षों से बैठने का आग्रह किया। प्रश्नकाल के दौरान सदन को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। लोकसभा में किरण रिजिजू ने कहा कि विपक्ष यह तय नहीं कर सकता कि कौन सा मंत्री सदन में कब आए। निचले सदन में कड़े शब्दों में जवाब देते हुए रिजिजू ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह का नाम सुनकर आतंकवादी कांपते हैं। उन्होंने कहा कि जब चर्चा शुरू होगी, तो आप सुन नहीं पाएंगे। वह लंबे समय तक संसद में रहते हैं। विपक्ष यह तय नहीं कर सकता कि कौन सा मंत्री आएगा। संबंधित मंत्री सदन में मौजूद



हैं। उच्च सदन की मंजूरी के बाद, लोकसभा ने आज 'सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (संशोधन) विधेयक, 2026' पारित कर दिया। यह विधेयक एमएसएमई के मुफ्त और स्वेच्छिक रजिस्ट्रेशन के लिए एक राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म को अधिसूचित करने का प्रावधान करता है; राज्य सरकारों को उनके गठन को तर्कसंगत बनाकर अतिरिक्त 'सूक्ष्म और लघु उद्यम सुविधा परिषद' स्थापित करने में मदद करता है; और कुछ प्राधान्यों के उल्लंघन से जुड़े अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करता है, जिसमें दोषी ठहराए

जाने पर लगने वाले जुमानों की जगह अलग-अलग स्तर के दंड का प्रावधान है और पहली बार उल्लंघन पर चेतावनी देने की व्यवस्था शामिल है। उच्च सदन में, विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंत्री अमित शाह के बयान की अपनी मांग दोहराई और दावा किया कि अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने अमित शाह को निर्देश जारी किया था; हालांकि, संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने इस दावे का खंडन किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि आपने (सभापति ने) गृह मंत्री से सदन में आकर बयान देने को कहा था।

एफसीआरए बिल: अमित शाह का बड़ा आश्वासन, 12 अगस्त को संसद में चर्चा, पिछली तारीख से नहीं होगा लागू

नई दिल्ली एजेंसी: मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद कहा कि विवादित 'विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026' पर 12 अगस्त को संसद में चर्चा और उसे पारित करने की प्रक्रिया होगी और इसे पिछली तारीख से लागू नहीं किया जाएगा। यह बात ऐसे समय में कही गई है जब केंद्र सरकार संसद में जारी गतिरोध को खत्म करने और मौजूदा मानसून सत्र के दौरान अहम विधेयकों पर चर्चा के लिए कामकाज सुचारू रूप से चलाने को लेकर विपक्ष के साथ बातचीत कर रही है। लालदुहोमा, मिजोरम के चर्च नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ शाह से मिले ताकि प्रस्तावित कानून को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर कर सकें। इस प्रस्तावित कानून का मकसद विदेशी फंडिंग वाली संस्थाओं पर निगरानी को और कड़ा करना है। इसके तहत एक

शक्तिशाली अधिकृत संस्था बनाने का प्रावधान है जो उन NGO की संपत्तियों को अपने नियंत्रण में ले सकेगी जिनका FCRA लाइसेंस रद्द हो जाता है। लालदुहोमा ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि हमने नए FCRA विधेयक को लेकर अपनी चिंताएं गृह मंत्री के सामने रखी हैं। उन्होंने हमें भरोसा दिलाया है कि यह विधेयक पिछली तारीख से लागू नहीं होगा। कानून बनाने की समय-सीमा के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने बताया कि शाह ने प्रतिनिधिमंडल को जानकारी दी कि बिल पर 12 अगस्त को संसद में चर्चा होगी। प्रस्तावित कानून 25 मार्च को लोकसभा में पेश किया गया था। गृह मंत्री को सौंप गए एक ज्ञापन में, लालदुहोमा, मिजोरम कोहरान हूआइतु कमिटी के चेयरमैन जॉन रालडोसांगा और कार्डसिल ऑफ चर्चेंस इन मिजोरम के जनरल सेक्रेटरी लालहमांगाइहा ने केंद्र से आग्रह किया

अमेरिकी सांसद की एफसीआरए टिप्पणी भारत ने किया खारिज, कहा- आंतरिक मामले में हस्तक्षेप ना करें

नई दिल्ली एजेंसी: विदेश मंत्रालय ने प्रस्तावित विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 पर अमेरिकी कांग्रेस सदस्य राइली मूर की आलोचना को खारिज कर दिया। मंत्रालय ने कहा कि विधायी मामले भारत का आंतरिक विषय हैं और यह भी बताया कि अमेरिका सहित कई देशों में विदेशी फंडिंग को नियंत्रित करने वाले कानून हैं। यह बयान मूर के उस आरोप के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें वेस्ट वर्जीनिया के रिपब्लिकन प्रतिनिधि ने कहा था कि प्रस्तावित संशोधन ईसाईयों पर सीधा हमला है और चेतावनी दी थी कि इनसे भारत-अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों पर बुरा असर पड़ सकता है। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत में कानून बनाने की एक स्थापित लोकतांत्रिक प्रक्रिया है और घरेलू कानूनों को उनके सही संदर्भ में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमे-



रका समेत दुनिया भर के देश अपने कानूनी ढांचे के जरिए संगठनों को मिलने वाले विदेशी योगदान को नियंत्रित करते हैं। 4 अगस्त को जारी एक बयान में मूर ने दावा किया था कि अगर चर्च और धार्मिक चैरिटी का 'फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) एक्ट' रजिस्ट्रेशन रद्द हो जाता है या रिन्यू नहीं होता है, तो प्रस्तावित संशोधनों से भारत सरकार उन पर नियंत्रण कर सकती है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसे प्रावधानों का ईसाई संगठनों पर बहुत ज्यादा असर पड़ेगा और उन्होंने भारत सरकार पर प्रस्तावित कानून पर फिर से विचार करने का आग्रह किया। मूर की टिप्पणियों पर पूछे गए एक सवाल

के जवाब में जायसवाल ने कहा कि हमने एफसीआरए पर की गई टिप्पणियां देखी हैं। भारत से जुड़े विधायी मामले हमारे आंतरिक मामले हैं, जिन पर देश की संसद फैसला लेती है। मैं यह भी बताया चाहूंगा कि अमेरिका समेत कई देश विदेशी फंड के प्रवाह को नियंत्रित करते हैं। मार्च में संसद में पेश किया गया 'फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) अमेंडमेंट बिल, 2026', 'फॉरेन कंट्रीब्यूशन (रेगुलेशन) एक्ट' (एफसीआरए) के ढांचे में बड़े बदलाव का प्रस्ताव और उन्होंने भारत सरकार को एक "तय अधिकारी" (नामित प्राधिकारी) नियुक्त करने का अधिकार देता है।

आवाजें एक साथ उठती हैं तभी सरकार झुकती है: राहुल गांधी ने पेपर लीक पर बीजेपी को घेरा

नई दिल्ली एजेंसी: शुक्रवार को प्रयागराज में अपने 'छात्रों की गुंज' कार्यक्रम से पहले, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार तभी झुकती है जब आवाजें एक साथ उठती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि परीक्षा के पेपर लीक होने के खिलाफ छात्रों के लगातार विरोध-प्रदर्शनों ने सरकार को जवाबदेही तय करने के लिए मजबूर किया। गुरुवार को एक्स पर एक पोस्ट में, गांधी ने भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों और पेपर लीक को लेकर महीनों तक चले विरोध-

प्रदर्शनों के बाद पूर्व केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का जिक्र किया और कहा कि सामूहिक कार्रवाई ने सरकार को जवाब देने के लिए मजबूर किया। गांधी ने कहा कि प्रयागराज वह शहर है जहाँ सबसे ज्यादा युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। यहाँ का हर छात्र जानता है कि सिस्टम बेईमान हो गया है। छात्रों की मेहनत में कोई कमी नहीं है; समस्या उस सिस्टम में है जो उनकी मेहनत की कद्र नहीं करता। उन्होंने नौकरी के उम्मीदवारों के सामने आने वाली समस्याओं में पेपर लीक, रुकी हुई भर्ती प्रक्रिया और



नियुक्तियों में लंबी देरी का जिक्र किया। कोटा और देहरादून में छात्रों

के साथ अपनी हालिया बातचीत का जिक्र करते हुए, गांधी ने कहा कि

अलग-अलग राज्यों में भी ऐसी ही शिकायतें सामने आई हैं। उन्होंने यह

राहुल गांधी ने प्रयागराज में 'छात्रों की गुंज' कार्यक्रम से पूर्व कहा कि केंद्र सरकार सामूहिक आवाजों के एकजुट होने पर ही झुकती है। उन्होंने परीक्षा पेपर लीक और भर्ती धांधलियों के खिलाफ छात्रों के निरंतर विरोध प्रदर्शनों को सरकार पर जवाबदेही तय करने के लिए मजबूर करने का श्रेय दिया।

भी आरोप लगाया कि दिल्ली में परीक्षा प्रणाली पर सवाल उठाने वाले छात्रों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि आखिरकार, एक मंत्री को इस्तीफा देना ही पड़ा। यह सरकार तभी झुकती है जब लोग एकजुट होकर आवाज उठाते हैं।" उन्होंने छात्रों को 8 अगस्त को शाम 5 बजे प्रयागराज के डेड ग्राउंड में

होने वाली बातचीत में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। केपी कॉलेज मैनेजमेंट द्वारा अपने स्पोर्ट्स ग्राउंड के इस्तेमाल की मंजूरी वापस लेने के बाद इस कार्यक्रम पर कुछ समय के लिए अनिश्चितता के बादल छा गए थे। मैनेजमेंट ने इसके लिए पढ़ाई-लिखाई से जुड़ी वजहों और इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश

का हवाला दिया था जिसमें कहा गया है कि शैक्षणिक गतिविधियों में कोई रुकावट नहीं आनी चाहिए। कॉलेज मैनेजमेंट ने शहर की कांग्रेस इकाई को लिखे एक पत्र में आयोजकों से कहा था कि वे बुकिंग रद्द करके जमा की गई रकम वापस ले लें। हालांकि, बाद में प्रशासन ने पहले किए गए रद्दीकरण को वापस लेते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की मंजूरी दे दी। प्रयागराज का यह कार्यक्रम परीक्षा की शुचिता, भर्ती में देरी और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर छात्रों और युवाओं तक पहुंचने की कांग्रेस की कोशिश का हिस्सा है।

भारत को क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी का ग्लोबल प्रोड्यूसर बनना चाहिए : एचडी कुमारस्वामी

नई दिल्ली। केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने गुरुवार को कहा कि भारत को क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी का ग्लोबल प्रोड्यूसर बनना चाहिए। ऐसा इसलिए है, क्योंकि तेजी से बदलती दुनिया में किसी देश की ताकत सिर्फ एनर्जी रिसोर्स तक पहुंच से तय नहीं होती, बल्कि भविष्य को चलाने वाली टेक्नोलॉजी के लिए मैनुफैक्चरिंग, इनोवेशन और मजबूत सप्लाई चेन बनाने की उसकी क्षमता से तय होती है। यहां 7वें सीआईआई इंटरनेशनल एनर्जी कॉन्फ्रेंस और एग्जिबिशन के दौरान 'एनर्जी सिक्योरिटी और सप्लाई चेन' पर आयोजित स्पेशल प्लेनरी सेशन में मुख्य भाषण देते हुए केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी के लिए भारत को



एक ग्लोबल मैनुफैक्चरिंग हब के तौर पर विकसित करने की रणनीति बताई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि औद्योगिक क्षमता और एनर्जी सिक्योरिटी अब एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हाल की भू-राजनीतिक घटनाओं, सप्लाई चेन में

'आत्मनिर्भर भारत' के विजन के जरिए इन वैश्विक बदलावों का जवाब दे रहा है। इसके तहत भरोसेमंद अंतरराष्ट्रीय वैल्यू चेन से गहराई से जुड़े रहते हुए वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी घरेलू मैनुफैक्चरिंग क्षमताएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने कहा, "भारत को सिर्फ साफ-सुथरी ऊर्जा वाली टेक्नोलॉजी का दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता नहीं बनना चाहिए, बल्कि भारत को उन उपकरणों, मशीनरियल और टेक्नोलॉजी का दुनिया का प्रमुख उत्पादक भी बनना चाहिए, जो ग्लोबल एनर्जी ट्रांजिशन को आगे बढ़ाएं।"

इस बदलाव में स्टील मंत्रालय और भारी उद्योग मंत्रालय की भूमिका पर जोर देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश की

रुकावटों और जरूरी खनिजों के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने वैश्विक औद्योगिक प्राथमिकताओं को बदल दिया है, जिससे मैनुफैक्चरिंग में मजबूती और तकनीकी क्षमता राष्ट्रीय आर्थिक सुरक्षा के लिए अहम हो गई है। कुमारस्वामी ने कहा कि भारत

ऊर्जा से जुड़ी महत्वाकांक्षाएं तभी पूरी हो पाएंगी, जब एक मजबूत मैनुफैक्चरिंग इकोसिस्टम तैयार हो, जिसमें स्टील, भारी इंजीनियरिंग, बैटरी, ट्रांसफार्मर, बिजली के उपकरण, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, निर्माण उपकरण और एडवांस्ड इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी शामिल हों। कुमारस्वामी ने स्टील को क्लीन एनर्जी की ओर बढ़ने की प्रक्रिया की रीढ़ की हड्डी बताते हुए कहा कि रिन्यूएबल एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर में हर बड़ा निवेश- चाहे वह सोलर पार्क और विंड टर्बाइन हो या ट्रांसमिशन नेटवर्क, बैटरी बनाने की सुविधाएं, बंदरगाह और ग्रीन हाइड्रोजन प्रोजेक्ट मूल रूप से स्टील ही निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि दुनिया के दूसरे सबसे बड़े स्टील उत्पादक के तौर पर भारत

देश की बढ़ती इंफ्रास्ट्रक्चर और मैनुफैक्चरिंग जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ सस्टेनेबल स्टील की बढ़ती वैश्विक मांग को भी पूरा करने की अच्छी स्थिति में है। ग्रीन स्टील के महत्व पर जोर देते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि कम-कार्बन वाले स्टील उत्पादन की ओर बढ़ना पर्यावरण और अर्थव्यवस्था, दोनों ही नजरिए से जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस्पात निर्माण में नवीकरणीय ऊर्जा की अधिक तैनाती, ऊर्जा-कुशल प्रोद्योगिकियों को अपनाने, संसाधन दक्षता में सुधार और इस्पात मूल्य श्रृंखला में त्वरित डीकार्बोनाइजेशन को बढ़ावा दे रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय इस्पात विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रहे।

अग्नि-4 का सफल परीक्षण, मध्यम दूरी की भारतीय बैलिस्टिक मिसाइल

नई दिल्ली भारत ने अपनी मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-4 का गुरुवार को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण स्ट्रेटिजिक फोर्स कमांड की निगरानी में किया गया। परीक्षण के दौरान मिसाइल से जुड़े सभी ऑपरेशनल और तकनीकी मानकों की सफल पूर्ति हुई। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह मिसाइल परीक्षण पूरी तरह सफल रहा। परीक्षण के दौरान मिसाइल ने निर्धारित उड़ान मार्ग का पालन करते हुए सभी मिशन उद्देश्यों को पूरा किया। इस परीक्षण से अग्नि-4 की परिवालन विश्वसनीयता और भारत की सामरिक प्रतिरोधक क्षमता को एक बार फिर मजबूती मिली। गौरतलब है कि अग्नि-4 भारत की



स्वदेशी विकसित मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है। यह देश की

विश्वसनीय प्रतिरोधक क्षमता को सुदृढ़ करने में अहम भूमिका निभाती है। ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से किया गया यह परीक्षण भारत के सामरिक मिसाइल कार्यक्रम की निरंतर प्रगति का संकेत है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना ​​है कि नियमित उपयोगकर्ता परीक्षणों से मिसाइल प्रणाली की युद्धक तैयारी और विश्वसनीयता सुनिश्चित होती है। इससे पहले भारत ने अपनी सामरिक क्षमता को और मजबूत करते हुए शॉर्ट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल ह्याग्नि-1क, का सफल परीक्षण किया था। 22 मई को ओडिशा के चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज से यह परीक्षण किया गया था। परीक्षण के दौरान मिसाइल के सभी परिवालन और तकनीकी मानकों का

सफलतापूर्वक सत्यापन किया गया। यह भी परीक्षण सामरिक बल कमान की निगरानी में संपन्न हुआ था। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक ह्याग्नि-1क भारत की स्वदेशी बैलिस्टिक मिसाइल श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह मिसाइल कम दूरी तक सटीक मार करने में सक्षम है और देश की सामरिक प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है। परीक्षण के दौरान मिसाइल ने निर्धारित लक्ष्य और उड़ान मानकों को पूरी तरह हासिल किया। वहीं अग्नि-4 मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है। वहीं बीते महीने जुलाई में भारत ने लंबी दूरी की मिसाइल ह्यकुशक का पहला सफल परीक्षण किया था। यह मिसाइल सिस्टम लंबी दूरी तक हवाई खतरों को बैअसर करने की क्षमता रखता है।

कैबिनेट ने एनएच-15 के गुवाहाटी-तेजपुर कॉरिडोर को मंजूरी दी : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने गुरुवार असम में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 15 के 135.871 किलोमीटर लंबे, चार लेन वाले पहुंच-नियंत्रित गुवाहाटीझूलेतेजपुर कॉरिडोर विकसित करने को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी भी साझा की। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी पोस्ट में कहा कि असम में कनेक्टिविटी और विकास को बढ़ा बढ़ावा। कैबिनेट ने एनएच-15 के गुवाहाटी-तेजपुर कॉरिडोर को मंजूरी दे दी है, जो चार लेन का एक्सेस-कंट्रोल कॉरिडोर होगा। इस परियोजना से यात्रा का समय कम होगा, सड़क सुरक्षा में सुधार होगा और विभिन्न स्थानों पर बने बाईपास के माध्यम से ट्रैफिक जाम कम होगा। इसमें तेजपुर में एक अपातकालीन लैंडिंग सुविधा, पुल, फ्लाईओवर, अडरपास और सर्विस रोड भी शामिल होंगे। यह



कॉरिडोर असम और अरुणाचल प्रदेश में निर्बाध कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। यह परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग (मूल) के तहत निर्मित-संचालन-स्थानांतरण (टोल) मोड पर 8,970.20 करोड़ रुपये की लागत से विकसित की जाएगी। परियोजना के तहत तेजपुर बाईपास पर 4.9 किलोमीटर लंबी अपातकालीन लैंडिंग सुविधा विकसित की जाएगी, जिसे भारतीय वायु सेना

के समन्वय से अंतिम रूप दिया गया है। इससे ब्रह्मपुत्र नदी के दक्षिणी किनारे पर स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 27 (पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर) पर यातायात भीड़भाड़ कम होगी। इसके अलावा, बहोदा चारियाली, सिगाझार, खाकपेटिया, देकिवाजुली और तेजपुर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में यातायात सुगमता के लिए कुल 58.7 किलोमीटर लंबाई के पांच प्रमुख बाईपास भी बनाए जाएंगे। इस परियोजना में 15 बड़े पुल, 30 छोटे पुल, 19 प्लाईओवर तथा तेजपुर बाईपास पर एक हाथी अडरपास के निर्माण का प्रावधान है। नियंत्रित पहुंच वाले राजमार्ग पर सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए 46 अडरपास, 19 प्लाईओवर के 210 किलोमीटर लंबी सर्विस रोड का भी निर्माण किया जाएगा। परियोजना से औसत यात्रा गति लगभग दोगुनी होगी, यात्रा समय आधा रह जाएगा, समग्र सड़क सुरक्षा में सुधार होगा,

कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों को राहत - अब सिंगल ऑल इंडिया लाइसेंस के साथ सभी मार्गों पर कर सकेंगे परिचालन

नई दिल्ली। भारतीय रेल ने भारतीय रेल नेटवर्क पर कंटेनर ट्रेनों के परिचालन के लिए ऑपरेटरों को अनुमति देने संबंधी मॉडल कन्सेशन एग्रीमेंट (एमसीए) में संशोधनों को मंजूरी दी है। स्वीकृत संशोधनों के तहत अब कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों (सीटीओ) को अलग-अलग मार्ग श्रेणियों के लिए पृथक् अनुमति और शुल्क की मौजूदा व्यवस्था के स्थान पर 25 करोड़ रुपये के एकसमान पंजीकरण शुल्क के साथ सिंगल ऑल-इंडिया लाइसेंस के आधार पर भारतीय रेल नेटवर्क के सभी मार्गों पर कंटेनर ट्रेनों का परिचालन करने की अनुमति होगी। इन संशोधनों को राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित किया जाएगा।

स्वीकृत संशोधनों के तहत लाइसेंस की वर्तमान मार्ग-वार श्रेणीकरण व्यवस्था समाप्त कर दी जाएगी। रेल मंत्रालय की स्वीकृति के अंशिन, कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों को सिंगल ऑल इंडिया लाइसेंस प्रदान किया जाएगा, जिससे वे भारतीय रेल नेटवर्क के सभी मार्गों पर कंटेनर ट्रेनों का परिचालन कर सकेंगे। विभिन्न मार्ग श्रेणियों के लिए अलग-अलग पंजीकरण शुल्क लेने की मौजूदा व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। अब प्रत्येक



आवेदक को भारतीय रेल नेटवर्क के सभी मार्गों पर परिचालन के लिए 25 करोड़ रुपये का अप्रतिदेय एकसमान पंजीकरण शुल्क जमा करना होगा।

स्वीकृत संशोधनों के अनुसार, कंटेनर ट्रेन ऑपरेटर को दो गई अनुमति की अवधि समाप्त होने के बाद उसे आगे 20 वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकेगा। यह विस्तार सक्षम प्राधिकारी द्वारा ऑपरेटर के आवेदन तथा उसके संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर प्रदान किया जाएगा। इस विस्तार अथवा भविष्य में सी ऑपरेटरों को दिए जाने वाले किसी भी अन्य विस्तार के लिए कोई विस्तार शुल्क नहीं लिया जाएगा।कैटेगरी-फर्स्ट

लाइसेंसधारी ऑपरेटर अपनी वर्तमान श्रेणी के अंतर्गत अपनी कन्सेशन अवधि समाप्त होने तक परिचालन जारी रख सकेंगे। नई लाइसेंस व्यवस्था के तहत नवीनीकरण या विस्तार के समय उनसे कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

कैटेगरी-सेकेंड, थर्ड, और फोर्थ के ऑपरेटर भी अपनी वर्तमान श्रेणियों के अंतर्गत अपनी कन्सेशन अवधि पूरी होने तक परिचालन जारी रख सकेंगे। नई लाइसेंस व्यवस्था के तहत नवीनीकरण या विस्तार के लिए उन्हें 15 करोड़ रुपये का भुगतान करना होगा। यह राशि नए 25 करोड़ रुपये के शुल्क और पहले से जमा किए गए 10 करोड़ रुपये के बीच का अंतर है। यह राशि अप्रतिदेय होगी। ये ऑपरेटर अपनी 20 वर्ष की कन्सेशन अवधि पूरी होने से पहले भी नई लाइसेंस व्यवस्था में स्थानांतरित होने का विकल्प चुन सकते हैं। ऐसी स्थिति में भी उन्हें 15 करोड़ रुपये का ही भुगतान करना होगा। एकसमान पंजीकरण शुल्क तथा लाइसेंस विस्तार शुल्क समाप्त किए जाने से ऑपरेटरों के नियामकीय एवं अनुपालन संबंधी खर्चों में कमी आएगी तथा अनुमोदन प्रक्रिया सरत होगी।

दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग में सभी धर्मों के प्रतिनिधियों को स्थान देकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिया सद्भावना

नई दिल्ली। भाजपा दिल्ली प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा के मीडिया प्रभारी इमतियाज अहमद ने दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के गठन का स्वागत करते हुए अपने एक वक्तव्य में कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी द्वारा दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के गठन में विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों को शामिल कर सामाजिक समरसता,आपसी सौहार्द और सर्वधर्म समभाव का सकारात्मक संदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि आयोग के अध्यक्ष के रूप में श्री निर्मल जैन जी सदस्य के रूप में सरदार कुलदीप सिंह जी तथा मोहम्मद हारून जी की नियुक्ति यह दशती है कि दिल्ली सरकार सभी समुदायों को साथ लेकर चलेने और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह कदम सामाजिक विश्वास को मजबूत करने के साथ-साथ विभिन्न वर्गों के बीच संवाद और सहयोग को भी बढ़ावा देगा। इमतियाज अहमद ने विश्वास जताया कि दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा, उनकी समस्याओं के समाधान तथा सरकार और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए ये भी विश्वास व्यक्त किया कि उनका अनुभव और कार्यशैली अल्पसंख्यक आयोग को प्रभावी एवं जनहितकारी बनाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता का और भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय सामाजिक एकता,भाईचारे और समावेशी विकास की दिशा में एक सार्थक पहल है, जिससे दिल्ली में सौहार्दपूर्ण वातावरण और अधिक मजबूत होगा।



केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सख्त किए औषधि नियम, फर्जी आंकड़े देने वाले आवेदक होंगे अयोग्य

नई दिल्ली, । भारत की औषधि विनियामक प्रणाली की सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने औषधि नियम, 1945 में संशोधन अधिसूचित किया है। यह संशोधन 16 अक्टूबर, 2025 को जीएसआर संख्या 756 (ई) के माध्यम से अधिसूचित किया गया है। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के अंतर्गत मौजूदा प्रवर्तन प्रावधानों के अतिरिक्त इन नव-अधिसूचित प्रावधानों के तहत लाइसेंसिंग प्राधिकरण को यह अधिकार प्रदान किया गया है कि यदि कोई संस्था अपने आवेदन के समर्थन में फर्जी अथवा मनगढ़ंत आंकड़े/दस्तावेज प्रस्तुत करती है, तो उसके भविष्य के आवेदन निर्धारित अवधि के लिए स्वीकार न किए जाएं। यह औषधि नियम, 1945 के विभिन्न प्रावधानों के अंतर्गत दायर सभी प्रकार के आवेदनों पर लागू होगा। वर्तमान में यदि कोई आवेदक मनगढ़ंत आंकड़े प्रस्तुत करता है, तो उसके विरुद्ध आवेदन अस्वीकार करने और/अथवा विद्यमान लाइसेंस रद्द करने जैसी प्रवर्तन कार्रवाई की जाती है। इस संशोधन के बाद ऐसे आवेदक को निर्धारित अवधि तक संबंधित विनियामक प्राधिकरण (राज्य अथवा केंद्र, जैसा लागू) के समक्ष कोई नया आवेदन प्रस्तुत करने से भी वंचित किया जा सकेगा। इस प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई से पूर्व कारण बताओ नोटिस जारी कर समुचित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अपील का भी प्रावधान किया गया है।आवेदकों द्वारा प्रस्तुत वैज्ञानिक रूप से प्रामाणित एवं विश्वसनीय आंकड़े औषधियों की गुणवत्ता, सुरक्षा तथा प्रभावकारिता के विनियामक मूल्यांकन का आधार होते हैं। फर्जी या मनगढ़ंत आंकड़ों का प्रस्तुत किया जाना न केवल विनियामक प्रक्रिया की विश्वसनीयता को प्रभावित करता है, बल्कि औषधियों की गुणवत्ता पर भी प्रसन्नकित लगाता है और जन-स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम उत्पन्न कर सकता है। यह संशोधन ऐसे दुराचार को हतोत्साहित करने, आवेदकों की जवाबदेही को मजबूत करने तथा यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है कि औषधियों की स्वीकृति विश्वसनीय और वैज्ञानिक रूप से मान्य साक्ष्यों पर आधारित हो। यह अधिसूचना सरकार के उन प्रयासों के अनुरूप है, जिनका उद्देश्य वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप भारत के औषधि विनियामक ढांचे को और अधिक सुदृढ़ बनाना है। इसका उद्देश्य देश के विनियामक ढांचे का अनुपालन करने वाले औषधि निर्माताओं और वितरकों को प्रोत्साहित करना तथा किसी भी प्रकार के कदाचार की रिपोर्ट होने पर प्रभावी कार्रवाई करना है। यह औषधि क्षेत्र में चल रहे विनियामक सुधारों का सूचक है, जिसमें निगरानी को सुदृढ़ बनाने, नैति प्रथाओं को बढ़ावा देने तथा अनेकति गतिविधियों में सलिलप्त संस्थाओं पर प्रभावी दंड सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया है।

दिल्ली में छात्राओं को बांटी गई साइकिलों पर सियासत तेज



'आप' ने 90 करोड़ रुपये के घोटाले का लगाया आरोप नई दिल्ली । दिल्ली की छात्राओं को मुफ्त में वितरित की जा रही साइकिलों को लेकर राजधानी की राजनीति गरमा गई है। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने रेखा गुप्ता सरकार पर साइकिल खरीद में बड़े स्तर पर अनियमितता और कथित तौर पर 90 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने जिस साइकिल को हीरो स्काइलर 26 टी मॉडल बताकर खरीदा है, वास्तव में वह हीरो बोनफायर मॉडल है, जिस पर केवल स्काइलर का स्टीकर लगाया गया है।। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सरकार द्वारा जारी वर्क ऑर्डर के आइटम डिस्क्रिप्शन में स्पष्ट रूप से हीरो स्काइलर 26टी मॉडल का उल्लेख किया गया है। उनके अनुसार, यह मॉडल पहले बाजार में उपलब्ध था, लेकिन कंपनी ने इसका उत्पादन काफी पहले बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि स्काइलर मॉडल में सात गियर, डिस्क ब्रेक और फ्रंट सस्पेंशन जैसी आधुनिक सुविधाएं होती हैं, जबकि छात्राओं को वितरित की जा रही साइकिलों में इनमें से कोई भी फीचर मौजूद नहीं है। 'आप' नेता ने आरोप लगाया कि सरकार लगातार साइकिल का वास्तविक मॉडल बताने से बच रही है। उनका कहना है कि उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और संबंधित मंत्री से कई बार सार्वजनिक रूप से मॉडल की जानकारी मांगी, लेकिन अब तक कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा कि जब हीरो साइकिल के डीलरों और थोक विक्रेताओं से जानकारी ली गई तो पता चला कि स्काइलर मॉडल का निर्माण बंद हो चुका है। सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि वितरित की जा रही साइकिलें वास्तव में हीरो बोनफायर मॉडल हैं, जिनकी थोक कीमत 4 हजार रुपये से भी कम है, जबकि सरकार ने प्रत्येक साइकिल लगभग 6,957 रुपये में खरीदी है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगभग 1 लाख 30 हजार साइकिलों की खरीद में प्रति साइकिल करीब 8 हजार रुपये का अतिरिक्त भुगतान किया गया, जिससे करोड़ों रुपये का वित्तीय नुकसान हुआ। 'आप' का आरोप है कि यदि बोनफायर मॉडल पर स्काइलर का स्टीकर लगाकर उसे महंगे मॉडल के रूप में खरीदा गया है, तो यह केवल कीमत का अंतर नहीं बल्कि मॉडल के स्तर पर भी कथित

नइ दिल्ली। राजधाना दिल्ली के पश्चिम जिले में चल रहे अवैध जुए के संगठित नेटवर्क पर दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आधी रात सवेरा वाली जुए की महफिल को जड़ से उखाड़ फेंका। दरअसल इंद्रपुरी के ई-ब्लॉक स्थित एक झुग्गी की दूसरी मंजिल पर गुप्त रूप से संचालित इस अड्डे पर स्पेसल स्टाफ ने डीसीपी हरेश्वर वो स्वामी के नेतृत्व में दबिश दी,



जिससे से इलाके में हड़कंप मच गया। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, यह गिरोह पुलिस की नजरों से बचने के लिए हर रात ठिकाने बदलकर जुए का खेल ठिकाना करता था। लेकिन इस बार पुलिस की सटीक खुफिया जानकारी के आगे उनकी चालाकी धरी की धरी रह गई। छापेमारी के दौरान मौके से 15 जुआरियों को ताश के पत्तों पर लाखों की बाजी लगाते हुए रगे हाथों पकड़ लिया गया। पुलिस

जांच में सामने आया कि इस पूरे अवैध धंधे की कमान कुख्यात सरगना तांबी उर्फ गणेश के हाथ में थी, जबकि मौके पर इसका संचालन उसका छोटा भाई कृष्णा कर रहा था। वहीं पुलिस ने कृष्णा को गिरफ्तार कर लिया है,पुलिस मुख्य सरगना तांबी और अन्य सहयोगियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 3 लाख 61 हजार की भारी नकदी, ताश के पत्ते और

जुए से संबंधित अन्य सामग्री बरामद की है। सभी आरोपियों के खिलाफ दिल्ली सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत इंद्रपुरी थाने में मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रहा है। पश्चिम जिले के डीसीपी हरेश्वर भी स्वामी का कहना है कि राजधानी में अवैध गतिविधियों के खिलाफ उनका अभियान लगातार जारी रहेगा,वही ऐसे नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मिड डे मील की बदहाली पर जवाब दे सरकार: संजय सिंह

संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी यूपी प्रभारी संजय सिंह ने संसद में सीतापुर में मिड डे मील की कथित बदहाली का मुद्दा उठाते हुए केंद्र और राज्य सरकार से जवाब मांगा। संजय सिंह ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी आवाज उठाने वाले छात्रों पर ऑफ़ गैस के गोले, पैलेट गन और एके 47 जैसे हथियारों का प्रयोग अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि छात्रों पर चलाए गए ऑफ़ गैस, पैलेट गन और एके 47 पर कितना बजट खर्च किया गया? देश के गृहमंत्री सदन में आकर इसका जवाब दें और बताएं कि छात्रों के खिलाफ इतनी कठोर कार्रवाई क्यों की गई। उन्होंने उत्तर प्रदेश के सीतापुर में मिड डे मील की कथित बदहाली का मुद्दा उठाते हुए कहा कि बच्चों को ऐसा भोजन परोसा गया जिसे ईसान तो दूर, जानवरों को भी देना उचित नहीं माना जा सकता। यह घटना सरकारी



व्यवस्था की संवेदनहीनता और शिक्षा व्यवस्था की गंभीर विफलता को उजागर करती है। संजय सिंह ने कहा कि मिड डे मील योजना का उद्देश्य बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध करायक शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना है, लेकिन यदि बच्चों को घंटिया और अमानवीय गुणवत्ता का भोजन दिया जाएगा तो यह उनके स्वास्थ्य और भविष्य दोनों के साथ हितवाड़ है। उन्होंने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की कि सीतापुर की घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए, प्रदेश के सभी विद्यालयों में मिड डे मील की गुणवत्ता की व्यापक जांच कराई जाए तथा बच्चों को पौष्टिक, स्वच्छ और मासक अन्नरूप भोजन उपलब्ध कराया जाए।

बिजली आपूर्ति में लापरवाही पर सख्त हुए ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा

संवाददाता

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने प्रदेश में निर्बांध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, जले हुए ट्रांसफार्मरों के समयबद्ध प्रतिस्थापन तथा कांवड़ यात्रा के दौरान बिजली व्यवस्था और सुरक्षा की तैयारियों की उच्चस्तरयी समीक्षा की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रदेशवासियों को समय पर बिजली उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

समीक्षा के दौरान ऊर्जा मंत्री ने देवरिया, गाजीपुर, श्रावस्ती, बरगड़च और फतेहपुर समेत कई जिलों में जले ट्रांसफार्मरों को समय पर न बदले जाने और बिजली आपूर्ति बाधित रहने के मामलों पर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिशासी अभियंताओं से जवाब-तलब करते हुए कहा कि जनता को अनावश्यक परेशानी पहुंचाने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की



जाएगी और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई होगी ए.के. शर्मा ने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को निर्देश दिए कि पूर्वांचल क्षेत्र में बिजली संबंधी शिकायतों के निस्तारण में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि जो अधिकारी अपने दायित्वों का ईमानदारी और गंभीरता से निर्वहन नहीं कर रहे हैं, उन्हें तत्काल हटाने की कार्रवाई की जाए, क्योंकि जनता के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कांवड़ यात्रा के मद्देनजर ऊर्जा मंत्री ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रा मार्गों पर बिजली

» सम्मानजनक जीवन और सरकारी योजनाओं का मिलेगा पूरा लाभ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब घुमंतू समाज को दर-दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा। डबल इंजन की सरकार उन्हें सम्मानजनक जीवन, स्थायी पहचान और शासन की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गठित घुमंतू विकास बोर्ड केवल एक प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि वर्षों से उपेक्षित विमुक्त एवं घुमंतू समाज को न्याय, सम्मान और अवसर दिलाने का सशक्त माध्यम बनेगा।

प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा घुमंतू विकास



बोर्ड के गठन के निर्णय के बाद गुरुवार को आयोजित समाज के आभार एवं अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ा रही है।

बिना किसी जाति, क्षेत्र, भाषा अथवा भेदभाव के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की इसी सोच का विस्तार घुमंतू विकास बोर्ड है।मुख्यमंत्री ने कहा कि अंग्रेजों ने वर्ष 1871 के क्रिमिनल ट्राइब एक्ट

के माध्यम से उन वीर समुदायों को अपराधी घोषित कर दिया था, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। स्वतंत्र भारत में डॉ. भीमराव आंबेडकर ने इस अन्याय को समाप्त करते हुए इन समुदायों को विमुक्त जाति का सम्मान दिलाया, लेकिन लंबे समय तक उनके समुचित विकास के लिए अपेक्षित प्रयास नहीं किए गए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर इन समुदायों के लिए आयोग का गठन हुआ और उसी भावना के अनुरूप उत्तर प्रदेश सरकार ने घुमंतू विकास

साइकिल चलाकर दिया गया नशे से दूर रहने का संदेश



संवाददाता

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में नशा मुक्ति अभियान पखवाड़ा के तहत साइकिल रैली निकालकर नशा नहीं करने में स्थानीय अधिकारियों द्वारा संतोषजनक जवाब न दिए जाने पर अपर मुख्य सचिव ऊर्जा आशीष गोयल ने मुख्य अभियंता, गोरखपुर (द्वितीय) को तत्काल प्रतिकूल प्रविष्टि (एडवर्स एंटी) देने के निर्देश दिए।इसी प्रकार गाजीपुर जिले के गहमर क्षेत्र में 12 दिनों से जला ट्रांसफार्मर न बदले जाने और समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर संबंधित अधिशासी अभियंता को निलंबित करने के निर्देश जारी किए गए।

साइकिल चला रहे छात्रों ने नारे लगाकर भी रास्ते में लोगों को जागरूक किया। वहीं छात्रों ने नुककड़ नाटक कर नशे से होने वाले नुकसान के बारे में भी लोगों को बताया। इस मौके पर कुलसचिव रीना सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. दीपक नारिया, सहा. कुलसचिव रंजीत सिंह, डॉ. नरेश मोर्य सहित अन्य लोग मौजूद रहे। जबकि कार्यक्रम का समन्वय एसो. डीन इनोवेशन डॉ. अनुज कुमार शर्मा एवं सहा. कुलसचिव सुनील पाण्डेय, व्यवस्थाधिकारी प्रवीन कुमार ने किया।

बोर्ड के गठन का निर्णय लिया है।मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष घुमंतू समाज के सम्मेलन में बोर्ड गठन की मांग उनके समक्ष रखी गई थी और उसी समय उन्होंने इसकी घोषणा की थी। अब बोर्ड के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि बोर्ड में विभिन्न घुमंतू एवं विमुक्त जातियों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि उनकी समस्याएं सीधे सरकार तक पहुंचें और विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने वनटॉगिया, मुसहर, थारू, गौड़, चेरो, बुक्सा, कोल और सहरिया सहित अनेक वंचित समुदायों को पहली बार शासन की योजनाओं से व्यापक रूप से जोड़ा है। राशन कार्ड, भूमि के पट्टे, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास, आयुष्मान भारत कार्ड, निःशुल्क बिजली एवं गैस कनेक्शन, पेंशन योजनाओं सहित अनेक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ इन समुदायों तक पहुंचाया गया है।

सरकार का लक्ष्य प्रत्येक पात्र व्यक्ति को सभी योजनाओं से शत-प्रतिशत आच्छादित करना है।उन्होंने कहा कि सरकार ने उपेक्षित समाज के महापुरुषों और वीरगणाओं को भी उचित सम्मान दिलाने का कार्य किया है। श्रृंगवेरपुर में निषादराज गुह्य की प्रतिमा, बहराइच में महाराजा सुहेलदेव विजय स्मारक, जनजातीय संग्रहालय, महाराजा सुहेलदेव के नाम पर विश्वविद्यालय एवं मेडिकल कॉलेज, वीरगना अवंतीबाई लोधी, ऊढ़ा देवी पासी और झलकारी बाई के नाम पर महिला पुलिस बटालियन तथा महारानी दुर्गावती के नाम पर मेडिकल कॉलेज इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के बच्चों के लिए आश्रम पद्धति विद्यालय तथा श्रमिक परिवारों के बच्चों के लिए अटल आवासीय विद्यालय स्थापित किए गए हैं, जहां आधुनिक शिक्षा के साथ आवास और भोजन की निःशुल्क व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार श्रमिकों, स्ट्रीट वेंडरों,

विद्यार्थियों, युवाओं तथा विमुक्त एवं घुमंतू समाज सहित प्रत्येक वंचित वर्ग के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।उन्होंने कहा कि अब कोषा भी इन समुदायों को 'क्रिमिनल ट्राइब' नहीं कह सकता। ये वे वीर समुदाय हैं जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित किया। घुमंतू विकास बोर्ड इन समुदायों की पहचान सुनिश्चित कर उन्हें शासन की सभी योजनाओं से जोड़ने का कार्य करेगा।मुख्यमंत्री ने संपरा समाज का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि यह समुदाय प्राचीन काल से गुरु गोरखनाथ की परंपरा से जुड़ा रहा है। विदेशी आक्रमणों के समय जब संचार के आधुनिक साधन उपलब्ध नहीं थे, तब यही समाज भजन और पारंपरिक वाद्य यंत्रों के माध्यम से लोगों को सचेत करने का कार्य करता था। आज भी यह समाज घुमंतू जीवन व्यतीत कर रहा है और राज्य सरकार उनके सम्मानजनक पुनर्स्थापना तथा समग्र विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

भाजपा कार्यालय के बाहर एंबुलेंस ड्राइवरों का प्रदर्शन



संवाददाता

लखनऊ। राजधानी स्थित बीजेपी प्रदेश कार्यालय के बाहर डायल 108 और डायल 102 के एंबुलेंस ड्राइवरों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान कुछ ड्राइवर रोने भी लगे। गुरुवार देपहर वे नारे लिखी तख्तियां लेकर पहुंच गए। नारा लगाया- कोरोनाकाल में हमें हीरो कहा, अब हम जीरो हो गए। उनका कहना था कि जीवोकेईएमआरआई कंपनी ने हमें 2021 में नौकरी से निकाल

दिया। तब से हम बेरोजगार हैं। प्रदर्शन की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे एंबुलेंस ड्राइवरों को हिरासत में लेकर इन्हें गार्डन भेज दिया। एंबुलेस ड्राइवरों ने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान दिन-रात सेवाएं दीं। कई कर्मचारियों ने अपनी जान भी गंवाई, लेकिन काम लेने के बाद उन्हें नौकरी से निकालकर बेरोजगार कर दिया गया। पांच साल से रोजगार के लिए भटक रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने निजी कंपनी पर

नौकरी से निकालने, शारीरिक, मानसिक शोषण करने सहित कई गंभीर आरोप लगाए। विरोध प्रर्शन करने वाले एंबुलेंस चालकों ने बताया कि प्रदेश में करीब 20 हजार एंबुलेंस कर्मचारी कंपनी के तहत काम करते हैं। कंपनी, कर्मचारियों का शारीरिक और मानसिक शोषण कर रही है। कंपनी मेंटेंसेस का पैसा भी कर्मचारियों के वेतन से काट रही है। विरोध करने वालों को बर्खास्त कर दिया जाता है। कई एंबुलेंस पर फजी केस भी दर्ज कराए गए हैं।

भाजपाई तरक्की की नई हवा...

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का गुणवत्ता का विवाद गहराता जा रहा है। उद्घाटन के कुछ ही दिनों बाद सड़क धंसने की घटनाओं और मरम्मत के दौरान पंखों से सड़क सुखाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सपा मुखिया अखिलेश यादव ने प्रदेश की योगी सरकार पर निशाना साधा है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एसएस पर वीडियो साझा करते हुए लिखा- भाजपाई तरक्की की नई हवा।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जिस एक्सप्रेसवे का कुछ दिन पहले उद्घाटन हुआ हो, उसे इतनी जल्दी बार-बार मरम्मत की जरूरत पड़ना निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि मरम्मत वाले हिस्से को जल्दी



सुखाने के लिए पंखों का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो स्थिति को और हास्यास्पद बनाता है। उन्होंने सवाल किया कि जब एक्सप्रेसवे उद्घाटन के दो-तीन सप्ताह के भीतर ही कई बार मरम्मत मांग रहा है तो उस पर तेज रफ्तार से सफर करने का जोखिम कौन उठाएगा। करीब 63 किलोमीटर लंबे लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का नौन-परफॉर्म घोषित करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। वहीं

लागत से बने इस एक्सप्रेसवे पर उद्घाटन के बाद से करीब 20 दिनों के भीतर कई स्थानों पर सड़क धंसने और सतह खिसकने की घटनाएं सामने आईं। लगातार शिकायतों के बाद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने निर्माण एजेंसी पीएनसी इंफ्रस्टेक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। कंपनी को नौन-परफॉर्म घोषित करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। वहीं

ठाकुरगंज में बंद पड़ी धान मिल में सांड की हत्या, तीन हिरासत में

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के न्यू हैदरगंज स्थित एक बंद पड़ी धान मिल में गौवंश (सांड) का गला काटकर हत्या किए जाने की घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही ठाकुरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और पशु चिकित्सक तथा फोरेंसिक टीम की मौजूदगी में घटनास्थल का गहन निरीक्षण कर वैज्ञानिक एवं भौतिक साक्ष्य एकत्र किया। पुलिस ने घटना के शीघ्र खुलासे के लिए विशेष टीमों का गठन करते हुए जांच तेज कर दी है। मामले में तीन व्यक्तिनों को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की जा रही है।पुलिस के अनुसार, 5 अगस्त 2026 को न्यू हैदरगंज स्थित एक बंद पड़ी धान मिल में गौवंश (सांड) का शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और पूरे घटनास्थल

वाणिज्य बंधु की बैठक में आदर्श व्यापार मंडल ने व्यापारियों के रखे मुद्दे

संवाददाता

लखनऊ। अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित वाणिज्य बंधु की बैठक में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने व्यापारियों के कई मुद्दों को समाधान के लिए उठाया। प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने अपर जिलाधिकारी को बताया विद्युत विभाग अपने आप व्यापारियों की बिना मर्जी के उनके विद्युत लोड बढ़ा दे रहा है जिससे व्यापारियों के बिल में वृद्धि हो जा रही है। इसके अतिरिक्त व्यापारी नेता ने कमर्शियल हाउस टैक्स के गलत बिलों की भी जानकारी देते हुए शिकायत की। उन्होंने कहा व्यापारियों द्वारा आज तक का जमा किए गए बिल के बावजूद पुरानी दरों से कई साल की वृद्धि को जोड़कर गलत बिल भेजे



जा रहे हैं जिससे व्यापारियों को बहुत समस्या हो रही तथा व्यापारियों का आर्थिक उत्पीड़न हो रहा है। व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने आवास विकास की नई उप विधि में कन्वर्जन चार्ज को 25% की दर निर्धारण के अथिक बताते हुए इसको शासन में प्रस्ताव भेज कर कम करवाने की मांग की।

उन्होंने कहा 25% की दर बहुत ज्यादा है जिसकी वजह से व्यापारी इस योजना का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष इकबाल हसन ने अयोध्या रोड पर स्थित भूतनाथ मेट्रो स्टेशन से

लेखराज मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो निर्माण पूरा होने के बाद नाला बंद होने का विषय उठाया। उन्होंने बताया पीडब्ल्यूडी द्वारा कई बार सड़क बनाई गई है जिसकी वजह से सड़क ऊंची हो गई है तथा फुटपाथ नीचे हो गया है तथा नाला बंद होने के कारण बारिश के मौसम में पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के नगर उपाध्यक्ष जानेंद्र उपाध्याय ने रहीम नगर में नाला खुला होने के कारण नाले में कई बार राहगीरों के गिर जाने की शिकायत करते हुए नाले को पत्थर से बंद करने की मांग की।

जलकल विभाग के 14 सेवानिवृत्त कर्मचारियों का सम्मान किया गया

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ के जलकल विभाग में वर्षों तक सेवाएं देने के बाद 31 जुलाई 2026 को सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के सम्मान में गुरुवार को ऐशवाग स्थित जलकल मुख्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में महापौर सुपमा खर्कवाल ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया और विभाग व शहर के प्रति उनके योगदान की सराहना की।कार्यक्रम में 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हुए कुल 14 कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इनमें लेखाधिकारी पंकज कुमार सोनी, गैंगमैन विजयेनी, सरोज कुमार, शिव कुमार सिंह एवं चंदी प्रसाद त्रिपाठी, सौकर सफाई कर्मचारी पुन्नू और हरीश, कीकौदार हरि प्रकाश, पम्प ऑपरेटर दिलीप कुमार श्रीवास्तव, इन्द्र देव प्रसाद, राना प्रताप सिंह एवं सुरेश कुमार, लिपिक श्रेणी-द्वितीय राम जी मिश्रा तथा प्रधान लिपिक प्रदीप कुमार सक्सेना शामिल रहे।

गोमतीनगर विस्तार में फायरिंग कांड का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

लखनऊ। गोमतीनगर विस्तार थाना पुलिस ने जून माह में हुई फायरिंग की घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अवैध .32 बोर पिस्टल तथा दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में एक ऐसा व्यक्ति भी शामिल है, जो हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा पाने के बाद उच्च न्यायालय से जमानत पर बाहर था।पुलिस के अनुसार, खरगापुर निवासी शुभम त्रिपाठी ने 4 जून 2026 को थाना गोमतीनगर विस्तार में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि रात करीब 10 बजे सदर तहसील सेक्टर-5 के पास वह अपने मित्र अमित सिंह, अभिषेक मिश्रा, मिहिर सिंह और अमन सिंह के साथ स्कॉपियो वाहन (यूएन-32 पीआर

6214) में मौजूद थे। इसी दौरान राहुल सिंह और उसके साथियों ने जान से मारने की नीयत से वाहन पर फायरिंग की तथा गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया।शिकायत के आधार पर थाना गोमतीनगर विस्तार में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए लगातार सुरागरसी और मुखबिर तंत्र की मदद ली।पुलिस को 5 अगस्त की रात सूचना मिली कि मामले के आरोपी हिमालयन तिराहा अंडरपास के पास मौजूद हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने राहुल सिंह (32 वर्ष) निवासी छोटा बरहा, आलमबाग को गिरफ्तार कर लिया।तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अवैध .32 बोर पिस्टल तथा दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

किस्मत ने बनाया क्रिकेटर

एजेंसी

नई दिल्ली। साल 2023 की गर्मियों की बात है। 17 साल के यशराज पुंजा मेडिकल की पढ़ाई के लिए ब्रिटेन जाने की तैयारी कर रहे थे। लेकिन, बेंगलुरु की एक ट्रिप ने उनकी जिंदगी का रुख ही बदल दिया। मेडिकल की किताबों से लेकर राजस्थान रॉयल्स के लिए आईपीएल में लेग स्पिन गेंदबाजी करने तक, 20 वर्षीय यशराज का यह 3 साल का सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। अबु धाबी में रहने वाले यशराज भारत में पेशेवर क्रिकेट खेलने की कोई योजना नहीं बना रहे थे। गर्मियों की छुट्टियों में वह बेंगलुरु आए और खुद को पिट खरबे के लिए कर्नाटक के पूर्व कप्तान कार्तिक जसवंत की एकेडमी से 15 दिनों के लिए जुड़ गए। उनकी बेहतरीन गेंदबाजी ने कोचों का ध्यान खींचा। एक हफ्ते बाद शहर में राजस्थान रॉयल्स का कैप था। यशराज ने माता-पिता को मनाया और कैप में



हिस्सा लिया। अपनी सटीकता और टर्न से उन्होंने टीम के स्काउट्स को प्रभावित किया और आईपीएल 2024 से पहले एक नेट बॉलर के रूप में रॉयल्स से जुड़ गए। यशराज ढाई साल तक रॉयल्स के साथ नेट बॉलर रहे। 2026 की नीलामी में रॉयल्स ने उन्हें 30 लाख रुपए में अपने खेमे में शामिल कर लिया। 19 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उन्होंने इंडन गार्डन्स में इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में डेब्यू किया।

बटलर टी-20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

एजेंसी

इंग्लैंड। विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान कीरोन पोलार्ड का रिकॉर्ड तोड़ दिया। बटलर के नाम अब 522 टी-20 मैचों में 14,833 रन हैं, जबकि पोलार्ड ने 746 मैचों में 14,803 रन बनाए हैं। बटलर ने यह उपलब्धि द हंड्रेड लीग में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए वेल्श फायर के खिलाफ हासिल की। उन्होंने 20 गेंदों में 51 रन की तेज पारी खेलकर पोलार्ड को पीछे छोड़ दिया। रिकॉर्ड बनाने के बाद बटलर का एक बयान भी चर्चा में रहा। उन्होंने कहा कि भारत के 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भविष्य में यह रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। बटलर बोले- वैभव मेरा रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं मैच के बाद स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में 34 साल के बटलर ने कहा, टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी बनना शानदार



खराब दौर से वापसी पर भी बोले बटलर

बटलर ने पिछले कुछ महीनों की अपनी खराब फॉर्म को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, क्रिकेट बहुत जल्दी बदलता है। कुछ महीने पहले मैं रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहा था, लेकिन अब मुझे लगता है कि मैं अपने करियर की बेस्ट बल्लेबाजी कर रहा हूँ।

रोबिन उथप्पा भी कर चुके हैं तारीफ

हाल ही में भारत के पूर्व बल्लेबाज रोबिन उथप्पा ने भी वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की थी। उथप्पा ने कहा था कि अगर वैभव को करियर के शुरुआती सालों में सही मार्गदर्शन मिला, तो वह स्काइट-बॉल क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर जैसा या उससे भी बड़ा प्रभाव छोड़ सकते हैं।

एहसास है। लेकिन एक दिन कोई न कोई यह रिकॉर्ड जरूर तोड़ेगा। मुझे लगता है कि वह खिलाड़ी शायद भारत का वैभव सूर्यवंशी हो सकता है।' उन्होंने आगे कहा, खराब दौर में

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के लिए फिटनेस टेस्ट पास करना अब पहले से ज्यादा मुश्किल हो गया है। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर टीम के खराब प्रदर्शन के बाद BCCI ने फिटनेस पैरामीटर्स को ज्यादा चैलेंजिंग बनाने का फैसला किया है। भारतीय खिलाड़ियों को अपनी फिटनेस साबित करने के लिए दो तरह के टेस्ट से गुजरना होता है। इनमें एक ब्रैंको टेस्ट और दूसरा 2 किलोमीटर की दौड़ है। ब्रैंको टेस्ट के लिए पहले 6 मिनट का समय मिलता था। अब इसे 5 मिनट 15 सेकेंड से लेकर 5 मिनट 20 सेकेंड में पूरा करना होगा। इसके ठीक बाद 2 किलोमीटर की दौड़ 9 से 10 मिनट में पूरी करनी होगी। ब्रैंको टेस्ट के अलावा खिलाड़ियों को 2 किलोमीटर की रनिंग भी करनी होती है। पहले यह स्टैड अलोन टेस्ट था। यानी इसे ब्रैंको के साथ नहीं लिया जाता था। पुराने नियम के तहत फास्ट बॉलर्स को 8 मिनट 15 सेकेंड में 2 किलोमीटर दौड़ना होता था।



बार-बार इंजरी पर फिजियो से जवाब-तलब

खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने और इंग्लैंड के अनुकूल मौसम में भी मांसपेशियों में खिंचाव यानी क्रैम्प्स की शिकायतों के बाद BCCI सेंक्रेटरी देवजीत सैकिया और टीम मैनेजमेंट ने टीम के फिजियो कमलेश जैन से जवाब-तलब किया है।

अब फिटनेस टेस्ट पास करना कठिन क्यों

ब्रैंको टेस्ट में पांच सेट होते हैं। हर सेट में खिलाड़ियों को 20 मीटर अप-डाउन, 40 मीटर अप-डाउन और 60 मीटर अप-डाउन की दौड़ लगानी होती है। यानी एक सेट में कुल 240 मीटर दौड़ना होता है। पूरे टेस्ट में इस तरह के पांच सेट लगाने होते हैं। सेट के बीच कोई ब्रेक नहीं होता। पहले पूरे टेस्ट से लिए 6 मिनट का समय था। अब इसमें 40 सेकेंड तक की कमी की गई है।

बाकी खिलाड़ियों के लिए 8 मिनट 30 सेकेंड का समय निर्धारित था। अब 2 किलोमीटर की रनिंग ब्रैंको टेस्ट के ठीक बाद करनी होगी।

समय में कुछ रियायत दी गई है। खिलाड़ी 2 किलोमीटर की दौड़ 9 से 10 मिनट में पूरी कर सकते हैं। दोनों टेस्ट बैक टु बैक होंगे, लिहाजा

सरकार कोयला क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए उठा रही ठोस कदम

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार कोयला क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठा रही है। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कोयला मंत्रालय से जुड़ी सांसदों की सलाहकार समिति की बैठक के दौरान ये बात कही। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने मंत्रालय से जुड़ी सांसदों की सलाहकार समिति की बैठक भारत के कोयला क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन किया है। नीलामी प्रक्रिया का जिक्र करते हुए रेड्डी ने कहा कि कोयला मंत्रालय उद्योग निकायों और निजी कंपनियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर जागरूकता बढ़ाने और व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए रोड शो और हितधारक परामशों आयोजित कर रहा है। मंत्रालय ने बताया कि इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय कोयला और खान मंत्री ने की।



और कुशल बनाया है। उन्होंने कहा कि पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया ने प्रतिस्पर्धा और निवेश को बढ़ावा देकर भारत के कोयला क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन किया है। नीलामी प्रक्रिया का जिक्र करते हुए रेड्डी ने कहा कि कोयला मंत्रालय उद्योग निकायों और निजी कंपनियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर जागरूकता बढ़ाने और व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए रोड शो और हितधारक परामशों आयोजित कर रहा है। मंत्रालय ने बताया कि इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय कोयला और खान मंत्री ने की।

युगांडा के फुटबॉल स्टार डेविड ओवरी की हत्या



एजेंसी

युगांडा। इंटरनेशनल फुटबॉल खिलाड़ी डेविड ओवरी की मौत हो गई है। लोकल पुलिस के अनुसार, राजधानी कंपाला में उन पर हमला किया गया था। 28 साल के ओवरी देश के सबसे बड़े फुटबॉल क्लबों में

शामिल एससी विला क्लब के कप्तान थे। पुलिस प्रवक्ता रेचल कवाला ने बताया कि मंगलवार को कंपाला के एक उपनगर में अज्ञात हमलावरों ने ओवरी को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। राहगीरों ने उन्हें बेहोशी की हालत में पाया और पास के अस्पताल पहुंचाया। बाद में

फुटबॉल जगत में शोक की लहर
फेडरेशन ऑफ युगांडा फुटबॉल एसोसिएशंस ने अपने बयान में कहा कि डेविड रिफ़ एक फुटबॉलर नहीं थे। वे एक लीडर और युवाओं के लिए प्रेरणा थे। एससी विला के कप्तान के तौर पर उन्होंने साहस, विनम्रता और जुनून के साथ टीम का नेतृत्व किया। युगांडा क्रैन जर्सी पहनकर उन्होंने देश की उम्मीदों को आगे बढ़ाया।
जून में भी हुई थी एक खिलाड़ी की मौत
ओवरी की मौत से पहले जून में एक और लोकप्रिय स्पोर्ट्सर्सर्सनैलिटी की जान गई थी। पुलिस के मुताबिक, रग्बी खिलाड़ी सिडनी गोंगोइयो की मौत कंपाला में भीड़ द्वारा किए गए हमले के बाद हुई थी। उन्हें गलती से चोर समझ लिया गया था।

उन्हें दूसरे अस्पताल में शिफ्ट किया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बढ़ते अपराध पर लोगों में गुस्सा पूर्वी अफ्रीकी देश की राजधानी में अपराध का ग्राफ काफी ऊंचा है। ओवरी की मौत के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लोगों ने भारी नाराजगी जताई है। कई लोगों ने अपराध रोकने में अधिकारियों की विफलता की निंदा की है। नेशनल कार्डसिल ऑफ

स्पোর্ट्स युगांडा ने कहा कि दुख की बात है कि युगांडा का खेल जगत हाल के दिनों में ऐसी कई त्रासदियों का शिकार हुआ है। हम न्याय और इस समस्या के स्थायी समाधान की उम्मीद करते हैं। संसद की वेबसाइट पर जारी बयान के अनुसार, डिप्टी स्पीकर थॉमस तयेबवा ने अधिकारियों से देश में सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए कहा है।

सरकार बोली- हवाई ईंधन में एथेनॉल मिलाने का प्लान नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने कहा कि सरकार का हवाई जहाज के ईंधन में एथेनॉल मिलाने का कोई प्लान नहीं है। उन्होंने कहा कि विमान सुरक्षा को लेकर इस तरह की गलत जानकारी या अफवाहें फैलाने से हवाई यात्रियों में बेवजह डर और चिंता पैदा होती है। नायडू का यह बयान दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के उस दावे के बाद आया है, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर विमान के ईंधन में एथेनॉल मिलाने की योजना का आरोप लगाया था। उड्डयन मंत्री ने साफ किया कि हवाई यात्रियों की सुरक्षा सरकार को पहली प्राथमिकता है और सुरक्षा मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। केजरीवाल ने क्या दावा किया था? अरविंद केजरीवाल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा था कि सूत्रों से संकेत मिला है कि मोदी सरकार



ग्लोबल सेप्टी स्टैंडर्ड्स से गुजरता है SAF

नायडू ने आगे बताया कि SAF को इस्तेमाल में लाने से पहले कड़े टेस्टिंग प्रोसेस से गुजरना जाता है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर के सुरक्षा मानकों को पूरी तरह पूरा करता है। इसलिए इसे नॉर्मल जेट फ्यूल के साथ इस्तेमाल करना पूरी तरह सुरक्षित माना गया है।

नायडू बोले- एथेनॉल और SAF में अंतर समझें

अरविंद केजरीवाल के आरोपों का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू ने X पर लिखा कि एथेनॉल और सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (SAF) दो पूरी तरह अलग चीजें हैं और इन्हें एक जैसा नहीं माना जाना चाहिए। SAF एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित एविएशन फ्यूल है, जिसे इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन यानी ICAO द्वारा मान्यता प्राप्त है और इसे वैश्विक स्तर पर अपनाया जा रहा है।

जहाई जहाज के ईंधन में एथेनॉल मिलाने की योजना बना रही है। जानकारों का कहना है कि इससे

उड़ानों की सुरक्षा से गंभीर समझौता हो सकता है। उन्होंने दोहराया कि देश में एविएशन सेक्टर की प्रोथ

खिलाड़ियों के लिए यह पहले से ज्यादा चैलेंजिंग है। ब्रैंको टेस्ट क्यो, अनफिट हर्षित-नीतीश को क्लियरेंस मिली थी BCCI सूत्रों के मुताबिक, पिछले एक साल में फिटनेस टेस्ट के मानकों का सख्ती से पालन नहीं किया गया। कुछ सीनियर खिलाड़ियों को फिटनेस टेस्ट में पास कराने के लिए अपेक्षाकृत आसान लक्ष्य दिए गए। टीम मैनेजमेंट की मांग पर CoE स्टाफ ने हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी को पूरी तरह फिट नहीं होने के बावजूद क्लियरेंस दे दी थी। इंग्लैंड दौरे के दौरान हर्षित राणा को ज्यादा वजन के कारण टीम से वापस भेजा गया था। टीम मैनेजमेंट के अनुसार उस समय हर्षित का वजन 97 किलो था। अब CoE ने उनके लिए वजन 96 किलो से कम रखने का टारगेट तय किया है। फिलहाल हर्षित का वजन 94 किलो है और अगले हफ्ते तक उन्हें फिट घोषित किया जा सकता है। उन्हें साफ कहा गया है कि किसी भी खिलाड़ी के कद या स्टार स्टेटस की परवाह किए बिना फिटनेस में कमी दिखे तो उसकी तुरंत जानकारी दें। मैनेजमेंट का मानना ​​है।

श्रीलंका टेस्ट से पहले वर्म-अप मैच खेलेगी टीम इंडिया

एजेंसी

श्रीलंका। दौरे पर गई भारतीय टीम शुक्रवार से कोलंबो में तीन दिवसीय वर्म-अप मैच खेलेगी। मुकाबला नॉन-टेस्टक्रिकेट्स क्रिकेट क्लब मैदान पर श्रीलंका इलेवन के खिलाफ खेला जाएगा। यह मैच 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारियों का अहम हिस्सा होगा। इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों का सबसे बड़ा फोकस स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपनी तकनीक को और मजबूत करना रहेगा। भारत ने श्रीलंका में पिछली टेस्ट सीरीज 2017 में खेली थी। पिछले आठ सालों में भारतीय टीम में बड़े बदलाव हुए हैं। मौजूदा टेस्ट स्क्वाड में केवल केएल राहुल, रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव ही ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें श्रीलंका में टेस्ट खेलने का अनुभव है। सिराज संभालेंगे तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी चोट के कारण जसप्रीत बुमराह इस दौर का हिस्सा नहीं हैं। उनकी गैरमौजूदगी में तेज गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी मोहम्मद

के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की 17 साल की बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा का शानदार फॉर्म जारी है। पिछले हफ्ते ताइपे ओपन सुपर-300 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली तन्वी ने अब कोरिया मास्टर्स 2026 के महिला सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। आसान में खेले गए प्री-क्वार्टर फाइनल में उन्होंने हमवतन श्रेयांशी वालिशेठी को 21-16, 17-21, 21-13 से हराया। पहला गेम: शुरुआती बढ़त के बाद तन्वी ने बनाई पकड़ दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच मुकाबले की शुरुआत में श्रेयांशी ने बढ़त बनाई, लेकिन तन्वी ने जल्द ही वापसी करते हुए मैच पर पकड़ मजबूत कर ली। दमदार मूवमेंट और आक्रामक स्ट्रोक्स के दम पर उन्होंने पहला गेम 21-16 से जीत लिया। तीसरा गेम: तन्वी ने नहीं दिया कोई मौका निर्णायक गेम में तन्वी पूरी तरह हावी रही। उन्होंने शुरुआत से बढ़त बनाई और श्रेयांशी को वापसी का मौका



दूसरा गेम: श्रेयांशी ने मुकाबले में की वापसी

दूसरे गेम में श्रेयांशी ने शानदार खेल दिखाया। उन्होंने मिड-गेम ब्रेक तक 11-6 की बढ़त बना ली और आखिर तक दबदबा बनाए रखते हुए 21-17 से गेम जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया।

नहीं दिया। वर्ल्ड रैंकिंग में 30वें नंबर की तन्वी ने तीसरा गेम 21-13 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। क्वार्टर फाइनल में रक्षिता या मनामी से मुकाबला अब क्वार्टर फाइनल में तन्वी का सामना भारत की रक्षिता श्री रामराज और जापान की मनामी सुइजु के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा।



श्रीलंका के पास मजबूत स्पिन डिपार्टमेंट

हाल के महीनों में भारत को घरेलू टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाफ स्पिन के सामने संघर्ष करना पड़ा था। श्रीलंका की परिस्थितियां भी स्पिन गेंदबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती हैं और मेजबान टीम के पास घलू हालात का फायदा उठाने वाले अनुभवी स्पिनर मौजूद हैं। ऐसे में पहले टेस्ट से पहले यह अभ्यास मैच भारतीय बल्लेबाजों के लिए खुद को परखने और कमजोरियों पर काम करने का अच्छा मौका होगा।

बल्लेबाजों ने पहले से की स्पिन की तैयारी

कप्तान शुभम गिल, केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल समेत टीम के प्रमुख बल्लेबाजों ने कोलंबो रवाना होने से पहले अपने-अपने घरेलू सेंटर पर स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ विशेष अभ्यास किया था।

सिराज पर होगी। उनके साथ प्रसिद्ध कृष्णा, गुरुरुर बराड़, मानव सुथार और सारांश जैन गेंदबाजी विभाग में नजर आएंगे। सिराज और कुलदीप यादव को छोड़ दें तो गेंदबाजी

आक्रमण अपेक्षाकृत अनुभवहीन है। हालांकि, गुरुरुर बराड़ और सारांश जैन ने पिछले महीने गॉल में इंडिया-ए की ओर से श्रीलंका-ए के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन किया था।

पोप और कार्स की लंबे समय बाद वापसी

ओली पोप और ब्रायडन कार्स की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। ये दोनों खिलाड़ी पिछली सर्दियों में ऑस्ट्रेलिया में हुई एशेज सीरीज के बाद पहली बार टीम में चुने गए हैं। इसके अलावा, डैन लैरेंस को भी दो साल बाद टेस्ट टीम में वापस बुलाया गया है। वे प्लेइंग इलेवन में शामिल होकर नंबर 6 पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।

के बाद दोबारा कप्तान बने हैं। बेथेल घुटने की चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। उन्हें जुलाई में भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान यह चोट लगी थी, जिसके चलते वे द हंड्रेड टूर्नामेंट में भी नहीं खेल पाए थे। उनकी जगह एसेक्स के विकेटकीपर जॉर्डन कॉक्स को टीम में शामिल किया गया है, जो नंबर 3 पर बल्लेबाजी करेंगे। इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में मिली हार और मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम व कप्तान बेन स्टोक्स के जाने के बाद नए सिरे से शुरुआत करने की कोशिश कर रही है। पाकिस्तान के खिलाफ

इंग्लैंड की 16 सदस्यीय टीम 'जो रूट (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, शोएब बशीर, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, सैम कुक, जॉर्डन कॉक्स, बेन डेकर', मैथ्यू फिशर, एमिलियो गे, डैन लैरेंस, ओली पोप, ओली रॉबिन्सन, जेमी स्मिथ और जोश टग। सीरीज का शेड्यूल पहला टेस्ट 19 से 23 अगस्त तक हड्डिस्टे, दूसरा 27 से 31 अगस्त तक लॉड्स और तीसरा 9 से 13 सितंबर तक एजबेस्टन में खेला जाएगा। सभी मैच भारतीय समयानुसार सुबह 11 बजे से शुरू होंगे और इनका प्रसारण स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट पर किया जाएगा।

एमवी इलेक्ट्रोसिस्टम्स की स्टॉक मार्केट में जोरदार शुरुआत



एजेंसी

नई दिल्ली। रेलवे रेलिंग स्टॉक में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रिकल और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स इक्विपमेंट के डिजाइन, डेवलपमेंट, असेंबली और मैनुफैक्चरिंग का काम करने वाली कंपनी एमवी इलेक्ट्रोसिस्टम्स के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच कर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 425 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 22.12 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 519 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 22.35 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 520 रुपये के स्तर

पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई विकवाली के कारण ये शेयर कुछ देर के लिए फिसल कर 518.95 रुपये के स्तर तक आया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लगातार हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर तेजी दिखाते हुए 622.75 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच कर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 197.75 रुपये यानी 46.53 प्रतिशत का फायदा हो गया। एमवी इलेक्ट्रोसिस्टम्स का 290 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 जुलाई से तीन अगस्त के बीच सव्यक्रियान के लिए खुला था।



बढ़ती उमस कर न दे परत

मौसम अपने साथ उमस भरा माहौल भी लेकर आता है। घुटन और नमी से भरा यह मौसम कई बार असहनीय ही नहीं, हमारे स्वास्थ्य और खासकर त्वचा के लिए खतरनाक साबित होता है। उमस को अपनी सेहत पर हावी होने से कैसे रोके

वातावरण में मौजूद नमी का असर शरीर से निकलने वाले पसीने पर आसानी से देखा जा सकता है। पसीने के बारे में विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्राकृतिक तौर पर शरीर की रक्षा करने का काम करता है। शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले अतिरिक्त अल्ट्रावiolet और नमक को शरीर से बाहर निकालकर यह शरीर में संतुलन बनाए रखता है और विभिन्न संक्रामक रोगों से हमें बचाता है। गर्मी के मौसम में पसीना भाप बनकर उड़ जाता है और शरीर को ठंडा रखता है। लेकिन उमस वाले मौसम में यह पसीना सूख नहीं पाता है और शरीर को चिपचिपाहट से भर देता है।

उमस का असर

उमस वाले मौसम में वातावरण में बीमारियां फैलाने वाले बैक्टीरिया, वायरस और फंगस सक्रिय हो जाते हैं, जिनसे

किसी भी उम्र का व्यक्ति शिकार हो सकता है। इस मौसम में त्वचा संबंधी रोग ज्यादा पनपते हैं। वातावरण की नमी हमारी त्वचा के पोर बंद कर देती है, जिससे त्वचा सांस नहीं ले पाती। त्वचा के भीतर समुचित मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता और त्वचा बेजान-सी हो जाती है। अगर साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाए तो त्वचा फंगल इन्फेक्शन, रैशज, मुंहासे और फोड़े-फुंसियों की चपेट में आ जाती है। शरीर के ऐसे हिस्से जहां पसीने ज्यादा आते हैं, वहां रैशज पड़ जाते हैं और खुजली होने लगती है। चेहरे पर मवाद से भरे मुंहासे उभर आते हैं, जिनसे कई बार चेहरे पर निशान भी पड़ जाते हैं। तापमान में नमी का असर हमारे बालों पर भी पड़ता है। नियमित सफाई के अभाव में बाल चिपचिपे और बेजान हो जाते हैं। डैंड्रफ हो जाते हैं, जिससे बाल ज्यादा गिरने लगते हैं।

इसके अलावा कम पानी पीने और खानपान की गलत आदतों से आप डीहाइड्रेशन की शिकार भी हो सकती हैं। उमस के इस मौसम में पसीना बहुत आता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। उमस वाले मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है और ऐसा खाना खाने से पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है। नमी भरे मौसम से नींद आना, मांसपेशियों में ऐंठन, चक्कर, उल्टी और सिर दर्द जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

सूती और हल्के कपड़े पहनें

इस मौसम में सिंथेटिक, मोटे और टाइट फिटिंग के कपड़ों के बजाय हल्के रंगों वाले पतले और सूती कपड़े पहनें। टाइट फिटिंग और ज्यादा कसीदाकारी वाले कपड़े पहनने से बचें। ऐसा करने से आपको गर्मी और उमस से परेशानी भी कम होगी और ज्यादा पसीना आने के बावजूद आपको कम परेशानी होगी।

खान-पान का रखें ध्यान

खानपान के मामले में एहतियात बरत कर ही आप उमस भरे वातावरण में सेहतमंद रह सकती हैं।



डीहाइड्रेशन से बचने के लिए भरपूर मात्रा में पानी पिएं और उबला पानी पीने की कोशिश करें। पानी में एक चम्मच शहद मिलाकर पीने से विषाक्त पदार्थ आसानी से शरीर से बाहर निकल जाएंगे। मूली के रस में काली मिर्च पाउडर और एक चुटकी सेंधा नमक मिलाकर पीना भी इस मौसम में फायदेमंद है। खाने के मामले में सतर्कता बरतें। घर का बना और कम चिकनाई वाला खाना ही खाएं। खाने में अदरक, अजवायन का प्रयोग करें। तुलसी और अदरक की चाय पिएं। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होगी और उमस से लड़ने में शरीर को मदद मिलेगी।

निजी साफ-सफाई का रखें

नमी भरे वातावरण में होने वाली चिपचिपाहट से बचने के लिए अपनी साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। ठंडे पानी से दिन में दो बार नहाएं। साफ-सुथरे कपड़े पहनें। वातावरण में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और धूल के कणों पर काबू पाने के लिए एंटीबैक्टीरियल या ग्लिसरीन युक्त साबुन से स्नान करें। बालों में हर दूसरे दिन शैंपू करें ताकि नमी से उन्हें नुकसान न हो। त्वचा को संक्रमण से बचाने के लिए उसे सूखा रखें और एंटी-बैक्टीरियल पाउडर का इस्तेमाल सकती हैं।



आदत बदलें सेहत सुधारें

कभी-कभी छोटी-छोटी बातें फायदेमंद साबित हो जाती हैं। सेहत के मामले में भी ऐसा ही है। भले ही आप जिम नहीं जा पा रही या नियमित रूप से व्यायाम नहीं कर पा रही हैं, पर अपनी आदतों में हल्का-सा बदलाव लाकर भी अपनी सेहत को सुधार सकती हैं। सेहतमंद रहने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी क्या है? सही खानपान। हां, लेकिन यह काफी नहीं है। इसके साथ और भी कई चीजें हैं जो स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी हैं। खानपान की सही आदतों के साथ उन आदतों पर गौर करना बेहद जरूरी हो जाता है, जिनसे हमारी सेहत जुड़ी हुई



है। विभिन्न आहारविदों का मानना है कि हम भले ही स्वास्थ्य के प्रति कितने भी सजग और सचेत हों, लेकिन हम अपनी रोजमर्रा की आदतों में खानपान के साथ-साथ कई ऐसी गलतियां करते हैं जिनका हमारे स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है। आइये देखें कि उन्हें कैसे सुधार सकते हैं -

पिज्जा में सॉस ज्यादा, चीज कम

पिज्जा का मजा तो तभी आता है जब उसमें खूब सारी चीज हो। खाने में लजीज लगने वाला चीज हमारे सेहत के लिए ठीक नहीं है, क्योंकि यह पूरी तरह से सैचुरेटेड फैट होता है। खाने में ज्यादा चीज दिल का दौरा, ओवेरियन डिस्ऑर्डर, कैंसर और डायबिटीज जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है। इसलिए जब अगली बार पिज्जा ऑर्डर करें तो उसमें चीज की मात्रा कम और टोमैटो सॉस की मात्रा ज्यादा करने को कहें। टमाटर में

एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर में किसी भी तरह के ट्यूमर को विकसित होने से रोकते हैं।

खाने के साथ जूस हो

-ई लोग खाने के साथ कोल्ड ड्रिंक या एनर्जी ड्रिंक्स लेते हैं। कोल्ड ड्रिंक और एनर्जी ड्रिंक्स सेहत के लिए ठीक नहीं होते। इनमें कार्बोहाइड्रेट और नुकसान यह भी है कि ये खाने के पौष्टिक तत्वों को शरीर द्वारा अवशोषित करने नहीं देते। खाने के पौष्टिक तत्वों का पूरा लाभ उठाने के लिए कोल्ड ड्रिंक की जगह जूस लें। खासकर संतरे का जूस आयरन के अवशोषण को बढ़ा देता है।

तकिए को जांच लें

सालों साल एक ही तकिया। इन्हें बदलने के बारे में तो हम सोचते भी नहीं। लेकिन क्या आपको पता है कि गलत तकिया गर्दन, कंधों और यहां तक कि पीठ व कमर के दर्द का सबब बन सकता है? इसके अलावा इससे आलस, नींद अधूरी रहने का अहसास, थकान भी हो सकती है। इसलिए एक समय के बाद अपने तकियों को बदल डालें। लेकिन तकिये के बदलने का समय आ गया है यह कैसे पता चलेगा? तकिए को बीच से मोड़ें और फिर उसे छोड़ दें। अगर तकिया खुद दोबारा खुल जाता है तो वह अब भी इस्तेमाल लायक है, पर यदि तकिया खुलता नहीं है, तो उसे बदल डालें।

कुछ चीजों को बदलना जरूरी है

बीमारी से उठने के बाद हम कुछ चीजें करना भूल जाते हैं। मसलन, दांत साफ करने वाले ब्रश को बदलना। अगर बीमारी सदी या बुखार से संबंधित है तो ब्रश बदलना और भी जरूरी हो जाता है क्योंकि बीमारी के दौरान इस्तेमाल किए जाने की वजह से वे संक्रमित हो जाते हैं। ऐसे में यदि आप उन्हीं ब्रश और टंग क्लीनर को स्वस्थ होने के बाद भी इस्तेमाल करेंगी तो बीमार होने का खतरा बना रहेगा। ठीक इसी तरह आंखों के साथ भी होता है। यदि आपको आंखों में इन्फेक्शन हो जाए और उस दौरान यदि आपने रिटक काजल इस्तेमाल किया है तो उसे दोबारा इस्तेमाल न करें। सबसे आखिर में लेकिन सबसे ज्यादा जरूरी बात यह कि घर में जितनी खराब हो चुकी या एक्सपायर हो चुकी दवाएं हैं उन्हें फेंक दें।

कंधों पर ज्यादा बोझ ठीक नहीं

कंधों पर ज्यादा बोझ सेहत के लिए ठीक नहीं। अमेरिकी शोधकर्ताओं के एक हालिया रिपोर्ट की मानें तो बैग का भार 1.3 किलोग्राम से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इससे ज्यादा भारी बैग आपके शारीरिक ढांचे को यानी पोस्चर को बिगाड़ सकता है।



मधुमेह के रोगियों को नेत्र रोगों का खतरा

मधुमेह से पीड़ित रोगियों के लिए जहां अपने गुर्दों और पैरों की देखभाल बहुत जरूरी होती है, वहीं उन्हें खान-पान संबंधी ढेर सारे परहेज भी करने पड़ते हैं। अब वैज्ञानिकों ने मधुमेह के संबंध में यह तथ्य भी उजागर किया है कि मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी रोगों का खतरा भी अपेक्षाकृत अधिक होता है, इसलिए उन्हें अपने गुर्दों के साथ-साथ अपनी आंखों की भी विशेष देखभाल करनी चाहिए।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि मधुमेह से पीड़ित रोगियों में 'डायबिटिक रेटिनोपैथी' नामक बीमारी होने की संभावना बहुत ज्यादा होती है। इस बीमारी में रोगी व्यक्ति को न सिर्फ मोतिया बिंद की शिकायत हो सकती है बल्कि धीरे-धीरे उसकी आंखों की रोशनी भी कम होती जाती है और एक समय ऐसा भी आ सकता है जब उसकी आंखों की रोशनी पूरी तरह से समाप्त हो जाए यानी व्यक्ति नेत्रहीन हो जाए।

मधुमेह के रोगियों को नेत्र संबंधी इस तरह खतरों के मद्देनजर विशेषज्ञ यही सलाह देते हैं कि मधुमेह के रोगियों को समय-समय पर किसी अच्छे नेत्र विशेषज्ञ से अपनी आंखों का चेकअप कराते रहना चाहिए और कभी भी आंखों में किसी भी तरह की समस्या का एहसास हो तो अपने डाक्टर से डिस्कस करके तुरंत उसका इलाज कराना चाहिए।

कई रोगों की एक दवा है

कढ़ी पता



कढ़ी पते का प्रयोग हर घर की रसोई में किया जाता है। ये हमारे भोजन को स्वादिष्ट बनाने के साथ-साथ हमारी सेहत को भी तंदुरुस्त रखने में मदद करता है। कढ़ी पते का प्रयोग करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस और विटामिन्स की भरपूर मात्रा पाई जाती है। ये हमारे मोटापे को कम करने में भी मदद करता है। कढ़ी पते में इतने औषधीय गुण पाए जाते हैं जो हमारे स्वास्थ्य को निरोग रखने में मदद करते हैं।

- कढ़ी पते का सेवन करने से कई बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकते हैं। मुंह में छाले होने पर और सिरदर्द से भी राहत दिलवाने में मदद करता है।
- कढ़ी पता का सेवन करने से बालों की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। कढ़ी पते के सेवन से बाल जल्दी सफेद नहीं होते।
- कढ़ी पता का सेवन करने से पेट संबंधी रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। भोजन में कढ़ी पते का प्रयोग करने से पाचन क्रिया भी तंदुरुस्त रहती है।
- कढ़ी पता मोटापे से भी निजात दिलवाने में मदद करता है। हर रोज कढ़ी पतियों को चबाकर खाने से मोटापा कम हो जाता है।
- कढ़ी पते में नींबू की कुछ बूंदें मिलाकर और उसमें थोड़ी सी चीनी मिलाकर लेने से उल्टी से राहत मिलती है।
- कढ़ी पते का सेवन करना डायबिटीज के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है।
- कढ़ी पते का सेवन करना किडनी के रोगियों के लिए भी फायदेमंद होता है।
- कढ़ी पते का सेवन करना आंखों की रोशनी के लिए लाभकारी होता है।

मुस्कान बन जाएगी आपकी पहचान

आपकी खूबसूरती को बर्बाद करने में आपके मोती जैसे दांतों की अहम भूमिका होती है। जितनी सुंदर आप हैं, यदि उतनी ही अच्छी आपकी मुस्कान है तो लोगों से रूबरू होने का आपका अंदाज ही निराला होगा। आजकल दांतों की सुंदरता को बरकरार रखना पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा आसान हो गया है। कैसे अपने दांतों की खूबसूरती बढ़ाकर खूबसूरत मुस्कान पाएं।

सिपलेंट से दे सही आकार - अगर आपके दांत टेढ़े-मेढ़े हैं तो आपकी मुस्कान पर प्रभावशाली नहीं हो सकती। दांतों को सही शेप देने के लिए पहले के दौर में वायरिंग की मदद ली जाती थी। आजकल वायरिंग की जगह ले ले ही, अदृश्य रहने वाली स्पिलिंट्स ने। ये प्लास्टिक के वायर ही होते हैं, जो आपके दांतों पर लगाए जाते हैं ताकि आपके दांतों को सही आकार मिले। ये पारदर्शी होते हैं इसलिए अदृश्य रहते हैं और इलाज के दौरान भी आपकी मुस्कान पर उतनी ही मोहक बनी

रहती है। वाइटनिंग कराने से नहीं कोई नुकसान - कोल्ड ड्रिंक, स्मोकिंग, जंक फूड, ड्रिंकिंग ये सब ऐसी आदतें हैं जो आपके दांतों पर पायी जाने वाली सफेद परत को नुकसान पहुंचाकर उसे खराब करती हैं और हमेशा के लिये आपके दांतों की खूबसूरती छीन लेती है। अक्सर हम इस डर से अपने दांतों के पीलेपन का इलाज नहीं कराते क्योंकि हमें लगता है कि इससे हमारे दांतों को नुकसान होगा। लेकिन इस बारे में मौलाना आजाद इंस्टिट्यूट ऑफ डेंटल साइंस के डॉक्टर हिमांशु कहते हैं, 'दांतों की सफाई कराने में कोई नुकसान नहीं है। कम से कम 6 महीने में एक बार तो डेंटिस्ट से चेकअप कराकर सफाई करवानी चाहिए, क्योंकि यह पद्धति पूरी तरह से सुरक्षित होती है। बाजार में मिलने वाले वाइटनिंग ट्यूबेस्ट से बचना चाहिए क्योंकि उनमें कई हानिकारक केमिकल होते हैं जो आपके दांतों को नुकसान

भी पहुंचा सकते हैं। उन्हें प्रयोग में लाने से पहले एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें।' फिर से आया दांतों पर गहने जड़ने का फैशन हजारों साल पहले माया सभ्यता के लोग अपने दांतों पर रत्न इत्यादि जड़वाते थे ताकि आपने दांतों को सुंदर दिखा सकें। आजकल युवाओं में ये फैशन फिर से छाया हुआ है, वजह इसकी प्रक्रिया बहुत आसान है और इसकी देखभाल भी। बस डॉक्टरों द्वारा दांतों में भरे जाने वाले कम्पोजिट सेरेमिक से किसी भी तरह की ज्वेलरी आपके दांतों पर लगा दी जाती है और आपको बस रोजाना की तरह अपने दांतों की सफाई ही करनी होती है। तो अब आपके दांत भी आपके स्टाइल का स्पेशल हिस्सा हो सकते हैं। इम्प्लांटेशन और सेरेमिक भी दें खूबसूरती पहले के जमाने में सोना और चांदी को लोग अपने दांतों में भरवाया करते थे, लेकिन तब वह दांतों के बीच अलग-सा दिखाई देता था। आजकल डेंटिस्ट सफेद सेरेमिक बेस के कम्पोजिट्स को दांतों के बीच की दूरी को पाटने के लिये प्रयोग करते हैं, इससे वह हिस्सा आपके दांतों में अलग से नहीं दिखाई देता और आपकी मुस्कान पर पूरी एक साथ और एक जैसी चमक बिखरती है। इसके अलावा आजकल एक-एक दांत भी अलग से लगवाया जा सकता है और दांतों का पूरा सेट भी इम्प्लांट कराया जा सकता है यानी कारण कोई भी हो आपके दांतों की खूबसूरती कभी कम नहीं होगी।



प्रदीप रावत के निधन पर बेटे का खुलासा



मुंबई में मंगलवार शाम दिग्गज अभिनेता प्रदीप रावत का 74 साल की उम्र में निधन हो गया। सरफरोश, लगान और गजनी जैसी फिल्मों में यादगार अभिनय करने वाले रावत के निधन से फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। चार दशक से ज्यादा लंबे करियर में उन्होंने हिंदी, क्षेत्रीय सिनेमा और टेलीविजन में काम किया। बुधवार दोपहर मुंबई में उनका अंतिम संस्कार किया गया, जिसमें आमिर खान और आशुतोष गोवारिकर समेत फिल्म जगत के कई लोग शामिल हुए।

दो महीने पहले रिपोर्ट थी सामान्य अभिनेता के बेटे विक्रमादित्य रावत ने अंतिम संस्कार के बाद मीडिया से बात करते हुए बताया कि परिवार को पहले लगा था कि उन्हें पेट का मामूली संक्रमण है। हालांकि, बाद में डॉक्टरों ने उन्हें ब्लड कैंसर होने की पुष्टि की। विक्रमादित्य ने बताया कि दो महीने पहले ही उनके पिता की मेडिकल रिपोर्ट पूरी तरह सामान्य थी।

आईसीयू में दी गई सीपीआर विक्रमादित्य ने पिता के अंतिम पलों को याद करते हुए कहा कि 4 अगस्त को उनकी प्लेटलेट्स गिरकर 3 हजार रह गई थी, जबकि यह 3 लाख से ऊपर होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि वे आईसीयू के बाहर इंतजार कर रहे थे और अंदर डॉक्टर उन्हें सीपीआर दे रहे थे। यह देखकर उन्हें स्थिति का अंदाजा हो गया था। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन है कि उनके पिता अब बेहतर जगह पर हैं और इतने लोगों को वहां देखकर वे खुश होंगे।

शुरुआत में पेट का संक्रमण

समझा था बेटे ने बताया कि जब वे डॉक्टर के पास गए तो उन्होंने इसे पेट का संक्रमण बताया और दवाएं दीं, लेकिन कोई असर नहीं हुआ। मां के कहने पर जब ब्लड टेस्ट कराया गया तो व्हाइट ब्लड सेल काउंट बहुत ज्यादा था। इसके बाद उन्हें कोकिलाबेन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने 99 फीसदी ब्लड कैंसर होने की आशंका जताई थी। अगले दिन इसकी पुष्टि हो गई।

सलमान खान ने दी श्रद्धांजलि प्रदीप रावत के निधन पर फिल्म जगत के कई सितारों ने उन्हें याद किया। सलमान खान ने सोशल मीडिया पर उनके साथ एक फोटो शेयर की। उन्होंने लिखा कि उनके साथ कई अच्छे पल बिताए हैं और वे उनकी आत्मा की शांति की कामना करते हैं।

एक्टर प्रदीप रावत का अंतिम संस्कार 5 अगस्त को मुंबई की बेस्ट कॉलोनी के पास गोरेगांव (पश्चिम) में किया गया। उनके बेटे विक्रमादित्य अपने पिता का शव देखकर भावुक हो गए। लगान और गजनी समेत कई फिल्मों में नजर आने वाले प्रदीप रावत का 74 साल की उम्र में मंगलवार शाम निधन हो गया। इसी बीच आमिर खान और राजा मुराद समेत कई सेलेब्स प्रदीप रावत के अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंचे। सलमान खान ने प्रदीप के साथ पुरानी फोटो शेयर कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदीप रावत के मैनेजर सिद्धार्थ तिवारी ने बताया था कि एक्टर तैयार से पीड़ित थे। उन्हें यह बीमारी दोबारा लौट आई थी। पिछले

एक महीने से उनका अस्पताल में इलाज चल रहा था।

महाभारत में अश्वत्थामा का रोल निभाया था

प्रदीप रावत ने एक्टिंग करियर की शुरुआत बीआर. चोपड़ा के टीवी शो महाभारत से की थी। वे अश्वत्थामा के रोल में नजर आए थे। प्रदीप ने इसके बाद हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बंगाली और भोजपुरी फिल्मों में काम किया।

हिंदी सिनेमा में वे लगान, सरफरोश, गजनी और ग्रैंड मस्ती जैसी फिल्मों में दिखाई दिए।

तेलुगु फिल्म सई (Sye) से उन्होंने

दक्षिण भारतीय सिनेमा में कदम रखा और कई यादगार क्लिने के किरदार निभाए। तमिल फिल्म गजनी (2005) में उनके डबल रोल को काफी पसंद किया गया। बाद में उन्होंने इसी भूमिका को हिंदी रीमेक गजनी में भी निभाया। इसके अलावा उन्होंने कन्नड़ फिल्म पैरोडी, मलयालम फिल्म चाइना टाउन, बंगाली फिल्म हीरो 420 और भोजपुरी फिल्म क्रैक फाइटर में भी एक्टिंग की थी।

आमिर खान को बहन ने डांट दिया था

फिल्म लगान में देवा का किरदार पहले एक्टर मुकेश ऋषि को ऑफर हुआ था, लेकिन साउथ की कई फिल्मों में व्यस्त होने के कारण उन्होंने यह फिल्म नहीं की। इसके बाद यह रोल प्रदीप रावत को मिला था।

दरअसल, फिल्म सरफरोश में प्रदीप रावत का काम देखकर आमिर खान काफी प्रभावित हुए थे। उन्होंने आधी रात करीब 12 बजे प्रदीप के घर के

लैंडलाइन पर फोन किया। उस समय प्रदीप घर पर नहीं थे। उनकी बहन ने फोन उठाया। 'मैं आमिर खान बोल रहा हूं' सुनकर उन्होंने इसे प्रैंक कॉल समझा। उन्होंने डांटते हुए कहा, 'क्यों बदमाशी कर रहे हो?'

बाद में आमिर ने लेखक उमाशंकर पाठक से बात कराई, जिन्हें परिवार पहचानता था। तब सबको यकीन हुआ कि फोन सच में आमिर खान का है। आमिर ने प्रदीप को अगले दिन ऑफिस बुलाकर फिल्म का कॉन्ट्रैक्ट साइन कराया और साइनिंग अमाउंट का चेक दिया। फिर इस तरह उन्हें फिल्म लगान में काम मिला था।

प्रदीप रावत के कारण सलमान को नहीं मिली गजनी

27 मार्च 2025 को मुंबई में फिल्म सिकंदर की प्रेस मीट के दौरान सलमान से पूछा गया था कि क्या वाकई आमिर से पहले आपको गजनी मिली थी। इस पर एक्टर ने कहा था, 'मैंने भी सुना है। मैंने ये प्रदीप से सुना है। हम उसे गजनी बुलाते हैं। वो मेरे दोस्त हैं। हमने 4-5 फिल्में साथ की हैं। उसने एक बार कहा था, सुरादास (गजनी के डायरेक्टर) बहुत अनुशासित हैं, इतने सिसियर हैं, सलमान कैसे काम कर लेगा उनके साथ, सलमान को गुस्सा बहुत आता है।'

सलमान ने आगे कहा, 'मतलब वो मेरे साथ 5 पिकर्बे कर चुका है, उसके बाद वो ये बोलता है। उसके बाद मैं बेचारे से मिला ही नहीं। मिलेगा तो उससे पूछूंगा कि मैं कब गुस्सा हुआ तेरे से।'

सोनु सूद ने प्रदीप रावत को दी श्रद्धांजलि एक्टर सोनु सूद ने इंस्टाग्राम स्टोरी

पर प्रदीप रावत की ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर शेयर कर लिखा, 'प्रदीप रावत भाई, आपकी कमी हमेशा महसूस होगी। आप हमेशा याद आएंगे।'

प्रदीप रावत की 2 शадियां हुई थीं प्रदीप रावत की पर्सनल लाइफ की बात करें तो उनकी दो शадियां हुईं। NBT की रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी पहली शादी ज्यादा समय तक नहीं चली और करीब साढ़े पांच महीने में दोनों का तलाक हो गया।

प्रदीप रावत ने बताया था कि पहली पत्नी ने उन पर और उनके परिवार

पर झुठे आरोप लगाए थे, हालांकि बाद में मामला खत्म हो गया।

इसके बाद उनकी मुलाकात साउथ फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी कल्याणी रावत से हुई।

दोनों ने कुछ समय तक एक-दूसरे को डेट किया और साल 2006 में शादी कर ली। इस शादी से उनका एक बेटा है, जिसका नाम विक्रमादित्य रावत है।

फिल्ममेकर भारतीयराजा का 84 साल की उम्र में निधन: राजेश खन्ना की फिल्म समेत 40 से ज्यादा फिल्में बनाई थीं; 6 नेशनल अवार्ड मिले।



कोलकाता में जन्मी एक्ट्रेस सुष्मिता मुखर्जी ने अपने करियर के उस दौर को याद किया है, जब उन्हें मजबूरी में सी-ग्रेड फिल्मों में काम करना पड़ा था। फिलहाल 'जगन्नाथ' और पूर्वी की दोस्ती अनोखी' सीरियल में नजर आ रही सुष्मिता ने एक इमोशनल वीडियो में अपने संघर्षों पर खुलकर बात की है। मजबूरी में लिए ये गलत फैसले सुष्मिता ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो जारी कर कहा कि उन फिल्मों में काम करना उनके लिए बेहद परेशान करने वाला था, जो महिलाओं का अपमान करती थीं। उन्होंने कहा, 'भगवान का शुक्र है कि मैंने सिर्फ खराब फिल्में चुनी थीं, पोनोग्राफी नहीं की। क्या मैंने अपनी आत्मा बेच दी? हां, मैंने अपनी आत्मा बेच दी। मुझे तब भी अच्छा नहीं लगा था और अब भी नहीं लगता, लेकिन यह मेरी मजबूरी थी।' 2002 में दिवालिया हो गई थी प्रोडक्शन कंपनी एक्ट्रेस ने बताया कि 1983 में नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से पासआउट होने के बाद उनके जीवन में एक ऐसा दौर आया जब उन्हें ये फैसले लेने पड़े। साल 2002 में सुष्मिता और उनके पति की मीडिया कंपनी 'प्रयास प्रोडक्शन' पर एक करोड़ रुपये का कर्ज हो गया था। उस समय टेक्नोलॉजी के नए दौर और एंजेल इन्वेस्टमेंट की जानकारी न होने के कारण उनकी कंपनी के साथ-साथ ट्रैक सिनेमा और अनिल चौधरी प्रोडक्शन भी दिवालिया हो गए थे।

असम में नाबालिग से रेप, आरोपियों पर मड़की देवोलीना



असम के हैलाकांडी जिले में 16 साल की लड़की से रेप और हत्या के मामले में टीवी अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी ने सख्त कार्रवाई की मांग की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट शेयर करते हुए देवोलीना ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से सभी आरोपियों को जल्द से जल्द फांसी देने की अपील की है। पीड़िता के परिवार ने भी आरोपियों के खिलाफ फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर फांसी की सजा देने की गुहार लगाई है। पुलिस ने इस मामले में पीड़िता के प्रेमी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। CM को टैग कर कहा- अपराधियों को बख्शा न जाए अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी ने अपने आधिकारिक X अकाउंट पर इस घटना को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को टैग करते हुए लिखा कि इन अपराधियों के साथ ऐसा बर्ताव किया जाए जो समाज में एक कड़ा उदाहरण बने। उन्होंने मांग की कि आरोपियों को जल्द से जल्द फांसी दी जाए ताकि राज्य में कोई भी अपराधी बचकर न निकल सके। देवोलीना ने अपराधियों को इंसाफियत के नाम पर कलंक बताया। घर में खून से लथपथ मिली नाबालिग घटना 1 अगस्त की रात की है। पीड़िता का परिवार पास ही एक रिश्तेदार के कार्यक्रम में गया हुआ था। कार्यक्रम के दौरान चचेरे भाई से कहासुनी होने के बाद लड़की रात करीब 10:30 बजे अकेले घर लौट आई। परिजन यह सोचकर रुक गए कि खाना खाकर उसके लिए भी भोजन ले जाएंगे।

मूवी रिव्यू-आर्यभट्ट का जीरो 'गौरव खन्ना को TRP के लिए तलाक नहीं दिया'

हर इंसान की जिंदगी में एक वक़्त ऐसा आता है, जब लोग उससे पहले हार मान लेते हैं और फिर वह खुद भी अपने आप पर भरोसा खोने लगता है। 'आर्यभट्ट का जीरो' ऐसे ही एक आम लड़के की कहानी है, जिसे दुनिया बार बार नाकाम साबित करती है।

निर्देशक कमल चंद्र ने आत्मविश्वास और उम्मीद जैसे मजबूत विषय को हल्के फुल्के अंदाज में पेश करने की कोशिश की है। फिल्म दिल से बनाई गई है और उसका संदेश भी साफ है, लेकिन कम-जोर स्क्रीनप्ले इसकी उड़ान को पूरी ऊंचाई तक नहीं पहुंचने देता। इसकी लेंथ 1 घंटा 54 मिनट है। दैनिक भास्कर ने फिल्म को 5 में से 3 स्टार रेटिंग दी है।

फिल्म की कहानी कैसी है?

फिल्म की कहानी ब्रह्मगुप्त श्रीवास्तव उर्फ बगू (हिमांशु कोहली) के इर्द गिर्द घूमती है। मध्यम वर्गीय परिवार का यह युवक जिंदगी में अपनी पहचान बनाना चाहता है, लेकिन लगातार मिल रही असफलताएं उसे अंदर से तोड़ देती हैं। परिवार की उम्मीदें, समाज के ताने और खुद पर से उठता भरोसा उसके संघर्ष को और मुश्किल बना देते हैं। हालात जैसे जैसे बदलते हैं, बगू भी खुद को बदलने की कोशिश करता है। आखिर कैसे एक ऐसा लड़का, जिसे हर कोई 'जीरो' समझता है, अपनी सबसे बड़ी ताकत खुद बनता है, यही फिल्म की कहानी है। अच्छी बात यह है कि फिल्म अपना संदेश बिना भाषण दिए सहज तरीके से कहती है।

स्टारकास्ट की एक्टिंग कैसी है?

पूरी फिल्म हिमांशु कोहली के कंधों पर टिकी है और वह इस जिम्मेदारी को अच्छी तरह निभाते हैं। रोमांटिक भूमिकाओं से अलग इस बार उन्होंने छोटे शहर के एक ऐसे युवक का किरदार निभाया है, जो बार बार टूटता है, लेकिन हार नहीं मानता। उनके चेहरे के भाव और भावनात्मक दृश्यों में ईमानदारी साफ दिखाई देती है। यह उनके करियर की बेहतर



परफॉर्मेंस में से एक कही जा सकती है। बगू के पिता के किरदार में नीरज सूद शानदार हैं। उनका अभिनय बेहद सहज है और पिता बेटे के कई दृश्य दिल को छू जाते हैं। रवि किशन अपने चिर परिचित अंदाज में मनोरंजन का तैकड़ा लगाते हैं और जहां भी आते हैं, ध्यान खींचते हैं।

सोनाली सहगल और दर्शना बनिक् अपने किरदारों के साथ न्याय करती हैं। हालांकि राजेश शर्मा, अलका अमीन और शिल्पा शिंदे जैसे अनुभवी कलाकारों को फिल्म में और बेहतर तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता था। उनके किरदारों में और गहराई और सतही स्पेस की गुंजाइश साफ महसूस होती है।

डायरेक्शन, तकनीकी पक्ष और कमियां

निर्देशक कमल चंद्रा ने एक अच्छा विषय चुना है और कई जगह उनकी संवेदनशीलता भी नजर आती है। फिल्म छोटे शहर की दुनिया को विश्वसनीय तरीके से पेश करती है और वास्तविक लोकेशन इसकी खूबसूरती बढ़ाती हैं। सिनेमेटोग्राफी भी कहानी के मूड के साथ अच्छी तरह चलती है।

लेकिन सबसे बड़ी कमी स्क्रीनप्ले में दिखाई देती है। कहानी कई जगह भटकती है और कुछ दृश्य ऐसे लगते हैं जिन्हें आसानी से हटाना जा सकता था। उनसे न कहानी आगे बढ़ती है और न ही किरदारों में कोई खास बदलाव आता है। एडिटिंग में थोड़ी और कसावट होती तो फिल्म ज्यादा प्रभावशाली बन सकती थी। अच्छे विषय के बावजूद प्रस्तुति कई बार उतनी मजबूत नहीं लगती, जितनी हो सकती थी।

म्यूजिक कैसा है?

फिल्म का संगीत कहानी के साथ चलता है। गाने जब आते हैं तो अलग से बोझ नहीं लगते और कहानी का हिस्सा बनकर सामने आते हैं। हालांकि थिएटर से बाहर निकलने के बाद ऐसा कोई गीत याद नहीं रह जाता जिसे बार बार सुना जाए। बैकग्राउंड स्कोर कई भावनात्मक दृश्यों का असर जरूर बढ़ाता है।

फाइनल वर्डिक्ट: देखें या नहीं?

'आर्यभट्ट का जीरो' एक ईमानदार कोशिश है, जो खुद पर भरोसा रखने का संदेश देती है। हिमांशु कोहली का बदला हुआ अंदाज और उनका अभिनय फिल्म की सबसे बड़ी ताकत है। नीरज सूद और रवि किशन भी अच्छा साथ देते हैं। हालांकि ढीला स्क्रीनप्ले, कुछ अनावश्यक दृश्य और कई जगह धीमी पड़ती रफ्तार फिल्म को एक बेहतर अनुभव बनने से रोक देती है। अगर आपको छोटे शहरों की जमीन से जुड़ी, हल्की फुल्की और प्रेरणादायक कहानियां पसंद हैं, तो यह फिल्म एक बार देखी जा सकती है।

एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला ने पति और एक्टर गौरव खन्ना से अपने तलाक को लेकर खुलकर बात की है। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने उन खबरों को खारिज किया जिनमें दावा किया जा रहा था कि उन्होंने लॉक-अप में टीआरपी या पब्लिसिटी पाने के लिए अलग होने का ऐलान किया था। आकांक्षा ने साफ किया कि तलाक की कानूनी प्रक्रिया शो में जाने से पहले ही शुरू हो चुकी थी। अब दोनों पक्षों के वकील मामला लगभग तय कर चुके हैं और सिर्फ आखिरी पेपर्स पर साइन होना बाकी है।

'कोई लड़की अपने तलाक का नाटक नहीं करेगी'

प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब आकांक्षा से पूछा गया कि क्या तलाक की घोषणा किसी तरह की स्ट्रेटजी थी, तो उन्होंने कहा कि कोई भी लड़की इतने बड़े प्लेटफॉर्म पर जाकर पब्लिसिटी के लिए अपने पति से अलग होने की बात नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि लोग अगर ऐसा सोच रहे हैं तो वे उनकी लीगल टीम से बात कर सकते हैं। जब दो एक्टर्स शादी करते हैं या अलग होते हैं, तो लोग हर बात को पब्लिसिटी मान लेते हैं, जो गलत है।

सोच अलग होने के कारण लिया फैसला

आकांक्षा ने खुलासा किया कि वे गौरव खन्ना पिछले 18 महीनों से एक-दूसरे से अलग रह रहे हैं। दोनों के बीच कोई कड़वाहट या नफरत नहीं है और वे अब भी आपस में



बातचीत करते हैं।

हालांकि, दोनों की जिंदगी को लेकर सोच और प्राथमिकताएं काफी अलग हो चुकी हैं। इसी वजह से दोनों ने आपसी सहमति से एक-दूसरे से अलग होने और अपनी जिंदगी अलग रास्ते पर जीने का फैसला किया है।

शो के दौरान किया तलाक का खुलासा

हाल ही में लॉक अप शो के दौरान आकांक्षा ने अपने पति गौरव खन्ना से अलग होने का ऐलान किया था। अपने को-कंटेस्टेंट्स श्रेया कालार और सूफी मोतीवाला से बातचीत में उन्होंने इसकी वजह का खुलासा किया था। शो में जब गौरव खन्ना पहुंचे थे, तब दोनों के बीच काफी बातचीत हुई थी।

गौरव ने कहा था कि दोनों अलग जरूर रह रहे हैं, लेकिन कागजी तौर पर अभी भी शादीशुदा हैं। गौरव ने इंटरनेट पर चल रही अफवाहों पर नाराजगी जताते हुए कहा था कि कई

लोग उनके रिश्ते के बारे में गलत कहानियां बना रहे हैं। गौरव ने यह भी साफ किया था कि वे कानूनी तौर पर अपनी पत्नी के खिलाफ किसी भी तरह की डॉलिंग या गलत बात बांटाश्त नहीं करेंगे।

ऑडिशन के दौरान हुई थी पहली मुलाकात

गौरव खन्ना और आकांक्षा चमोला की पहली मुलाकात एक ऑडिशन के दौरान हुई थी। कुछ समय तक एक-दूसरे को जानने के बाद दोनों ने 24 नवंबर 2016 को कानपुर में शादी की थी।

गौरव खन्ना टीवी इंडस्ट्री के मशहूर एक्टर हैं, जो 'अनुपमा', 'सीआईडी' और 'थे प्यार ना होगा कम' जैसे शो में नजर आ चुके हैं।

हाल ही में उन्होंने 'बिग बॉस 19' का खिताब भी जीता था। वहीं आकांक्षा चमोला 'स्वरागिनी' और 'भूत' जैसे टीवी सीरियल्स से अपनी पहचान बना चुकी है।